News सिटी चीफ

वर्ष-15, अंक-117

पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

सिटी चीफ

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

इंदौर, गुरुवार 01 अगस्त 2024

आज का विचार

जो लोग मन में उतरते हैं उन्हें संभाल कर रखिए और जो मन से उतरते हैं उनसे संभल कर रहिए।

वायनाड भूस्खलन में अब तक 256 लोगों की मौत, कई लोग मलबे में फंसे

वायनाड में हुई भूस्खलन की त्रासदी ने अब तक 256 लोगों की जान ले ली है। यह आपदा सोमवार रात हुई। इसके बाद से वायनाड में लगातार बारिश हो रही है। इन सबके बीच राहत और बचाव कार्य जारी है। अब तक 3 हजार से अधिक लोगों को सुरक्षित निकाला जा चुका है। अभी कई लोग अब भी मलबे के नीचे दबे हो सकते हैं। इस बीच, कांग्रेस नेता राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वायनाड के लिए रवाना हो गए हैं। दोनों आपदा प्रभावित परिवारों से मुलाकात करेंगे।

वायनाड जिले के चार गांव इस भूस्खलन में पूरी तरह बर्बाद हो गए हैं। मूसलाधार बारिश के कारण हुए इस भूस्खलन में अब तक 256 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि कई अन्य घायल हैं। भारी बारिश के बीच, मिट्टी, पत्थर और पेड़ों के बड़े-बड़े टुकड़ों के कारण बचाव कार्यों में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। सेना के जवान टूटे हुए पुल को दोबारा बनाने में लगे हुए हैं ताकि राहत कार्य तेजी से आगे बढ़ सके। वायनाड से आ रही तस्वीरें तबाही की कहानी बयान कर रही हैं। सोमवार की रात हुई भारी बारिश के बाद अचानक हुए भूस्खलन से चूरालमाला, अट्टामाला, नूलपुझा और मुंडकाई के चार गांव बर्बाद हो गए। इस आपदा ने पूरे इलाके को तहस-नहस कर दिया।

राहुल और प्रियंका गांधी वायनाड पहुंचे

लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने वायनाड के लिए दिल्ली के लिए रवाना हो गए। कांग्रेस नेता वहां की स्थिति का जायजा लेंगे। राहुल गांधी के साथ प्रियंका गांधी भी वायनाड रवाना हुई हैं। दोनों नेता भूस्खलन से प्रभावित परिवारों से मिलेंगे। बता दें कि इससे पहले, राहुल गांधी और प्रियंका गांधी को खराब मौसम के चलते वायनाड का दौरा स्थगित करना पड़ा था।

अब SC-ST के रिजर्वेशन में बन सकेगी सब-कैटेगरी सुप्रीम कोर्ट की मंजूरी

सुप्रीम कोर्ट ने आज एक महत्वपूर्ण फैसला सुनाते हुए कोटा के अंदर कोटा को मंजूरी दे दी है। सुप्रीम कोर्ट के 7 न्यायाधीशों की पीठ ने कहा कि अब अनुसूचित जातियों का उप-वर्गीकरण, अनुसूचित जाति श्रेणियों के भीतर अधिक पिछड़े लोगों के लिए अलग से कोटा प्रदान करना स्वीकार्य होगा। कोर्ट ने कहा कि अब राज्य सरकार पिछड़े लोगों में भी अधिक जरूरतमंदों को फायदा देने के लिए सब कैटेगरी बना सकती है। सुप्रीम कोर्ट ने आदेश में यह भी स्पष्ट किया कि उप-वर्गीकरण (सब कैटेगरी) की अनुमति देते समय राज्य किसी उप-श्रेणी के लिए 100 फीसद आरक्षण निर्धारित नहीं कर सकता। साथ ही, राज्य को उप-श्रेणी के अपर्याप्त प्रतिनिधित्व के संबंध में अनुभवजन्य आंकड़ों के आधार पर उप-वर्गीकरण को उचित ठहराना होगा। सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा कि 6 राय हैं। जस्टिस बेला त्रिवेदी ने असहमति जताई है। सीजेआई ने कहा कि हममें से अधिकांश ने ईवी चिन्नैया के फैसले को खारिज कर दिया है और हम मानते हैं कि उप-वर्गीकरण स्वीकार्य है। सुप्रीम कोर्ट की 7 जजों की बेंच ने 6:1 बहुमत से माना कि आरक्षित वर्गों यानी अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति का उप-वर्गीकरण स्वीकार्य है।

इंदौर-उज्जैन और इंदौर-पीथमपुर मेट्रो रेल कॉरिडोर के लिए तैयारी शुरू

नई दिल्ली। दिल्ली मेट्रो रेल निगम (डीएमआरसी) इंदौर से उज्जैन और धार जिले के पीथमपुर तक दो मेट्रो रेल कॉरिडोर की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार करेगा। आसान भाषा में कहें तो इंदौर-उज्जैन और इंदौर-पीथमपुर इन दो कॉरिडोर में मेट्रो रेल सेवा के लिए तकनीकी सलाह दिल्ली मेट्रो रेल निगम देगा। बुधवार को आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि कुल 84 किलोमीटर की अनुमानित दूरी वाले इंदौर-उज्जैन और इंदौर-पीथमपुर दो कॉरिडोर में मेट्रो रेल सेवा के लिए तकनीकी सलाह डीएमआरसी देगा। इस संबंध में मध्यप्रदेश मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड ने एक पत्र जारी किया है। इससे पहले राज्य सरकार ने घोषणा की थी कि सिंहस्थ से पहले इंदौर और उज्जैन शहरों के बीच मेट्रो रेल लाइन बिछाई जाएगी। उज्जैन में 12 साल में एक बार आयोजित होने वाला विशाल हिंदू समागम सिंहस्थ 2028 में आयोजित किया जाएगा। अधिकारियों के अनुसार, भोपाल में मेट्रो रेल के पहले चरण का प्रायोगिक परीक्षण पिछले साल अक्टूबर में पूरा हो गया था। अब दूसरे और तीसरे चरण का क्रियान्वयन जल्द शुरू होने वाला है। इसके अलावा, इंदौर में करीब 31 किलोमीटर लंबी मेट्रो लाइन बिछाने का काम चल रहा है।

यह होगा उज्जैन, इंदौर, पीथमपुर मेट्रो का रूट- आधिकारिक बयान में कहा गया है कि उज्जैन, इंदौर, पीथमपुर लाइन के पहले चरण के रूप में श्री महाकालेश्वर मंदिर उज्जैन-नानाखेड़ा बस स्टैंड से लवकुश चौराहा, इंदौर को जोड़ने के लिए डीपीआर तैयार करने का काम डीएमआरसी करेगा।

डीपीआर की प्रक्रिया पूरी होने के बाद टेंडर- डीपीआर की प्रक्रिया पूरी होने के बाद इसके लिए टेंडर निकाला जाएगा। टेंडर के बाद इंदौर-उज्जैन और इंदौर-पीथमपुर मेट्रो रेल कॉरिडोर पर काम शुरू हो जाएगा। काम पूरा होने के बाद इंदौर से उज्जैन जाने वाले लोगों की राह आसान हो जाएगी।

35 साल में बचेंगे 1000 करोड़ रुपए- इंदौर मेट्रो की डिजाइन कई मायनों में देश की दूसरी मेट्रो से कुछ अलग है। इसके सिस्टम में ट्रेन पूरी तरह अनअटेंडेड ऑपरेशन मोड पर चलती है। आपात स्थिति में भी ट्रेन चालू करना और रोकना सब कुछ स्वचालित और कमांड सेंटर से नियंत्रित होता है। मेंटेनेंस के बाद डिपो से ट्रैक पर आने और वापस डिपो जाने तक इसका पूरा नियंत्रण कमांड सेंटर से ही होगा। अनुमान है ड्राइवरलेस होने से मेट्रो कंपनी 35 साल (कोच की आयु में मैन पावर और ऊर्जा मद में 800 से 1000 करोड़ रुपए की बचत कर सकेगी। भविष्य में वीडियो एनालिटिक्स और फेस वीडियो फेस रिकग्निशन टेक्निक सिस्टम भी होगा। इससे संदिग्ध, अपराधियों की पहचान हो सकेगी। ड्राइवरलेस मेट्रो के लिए सिग्नल सिस्टम अलग होगा। इसके कारण एक-दूसरे से बहुत कम अंतर से मेट्रो चलाई जाएगी।

अभी इस तरह चल रहा काम

इंदौर में मेट्रो ट्रेन के रुट को लेकर इंदौर के जनप्रतिनिधियों की आपत्ति के बाद नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने दिए गए सुझावों के हिसाब से सर्वे करने के निर्देश दिए है। इस चक्कर में अभी तक मध्य हिस्से के टेंडर भी नहीं हो पाए है, जबकि विधानसभा चुनाव के बाद उस हिस्से में काम शुरू होना था। नए सिरे से हुए सर्वे का काफी काम हो चुका है। अब देखना है कि सुझावों के बाद कितना बदलाव होता है, हालांकि यह संभव नजर नहीं आ रहा है,क्योंकि बदलाव करने के बाद नए सिरे से अलाइनमेंट बनाना होगा और मेट्रो के लिए नए सिरे से सरकारी व निजी संपत्तियां अधिगृहित करना होगा। इस कारण मेट्रो का काम इंदौर में काफी पिछड़ सकता है। डेढ़ माह पहले हुई बैठक में रेलवे को रिंग रोड से कृषि कॉलेज, एमवाय होते हुए रीगल तक लाने का सुझाव आया था। इसे लेकर सर्वे में यह तथ्य आया है कि मेट्रो ट्रेन का संचालन उस रुट पर ज्यादा होता है, जहां यात्री ज्यादा सफर करते है और उन्हें शार्टकट का विकल्प मिलता है। कृषि कालेज वाले क्षेत्र में ज्यादा ट्रैफिक नहीं है और मध्य हिस्से में जाने वाले लोगों को घूमकर जाने में समय भी काफी लगेगा। इसलिए उस विकल्प को अमल में लाना संभव नहीं नजर आ रहा है।

मप्र में स्ट्रांग सिस्टम एक्टिव भोपाल समेत कई जिलों में हुई बारिश

भोपाल। मध्यप्रदेश में एक बार फिर से स्ट्रांग सिस्टम एक्टिव हो गया है जिससे तेज बारिश का दौर शुरू हो गया है। बुधवार को राजधानी भोपाल, नर्मदा पुरम समेत कई जिलों में तेज बारिश हुई। विंध्य के रीवा में अभी तक महज 8ब्र बारिश होने से किसानों की परेशानी बढ़ी हुई। हालांकि बुधवार से रीवा क्षेत्र में भी बारिश शुरू हो गई जिससे किसानों की उम्मीद बढ़ गई हैं। मौसम विभाग की माने तो रीवा में इस स्ट्रांग सिस्टम से तेज बारिश होने की संभावना है। इधर भोपाल में भी दिन भर बादल छाए रहने के बाद कई इलाकों में बारिश हुई। रायसेन में सुबह पानी गिरा। मौसम विभाग ने अगले 24 घंटे के लिए अलर्ट किया है। जिसके अनुसार पूर्वी हिस्से जबलपुर, रीवा, सागर और शहडोल संभाग के 22 जिलों में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। पश्चिमी हिस्से भोपाल, इंदौर, उज्जैन, नर्मदापुरम, ग्वालियर-चंबल में कहीं हल्की तो कहीं तेज बारिश का अनुमान है। प्रदेश में अभी तक 18.8 इंच पानी गिर चुका है, यानी 50.40 प्रतिशत बारिश हो चुकी है। आईएमडी भोपाल की सीनियर वैज्ञानिक डॉ. दिव्या ई. सुरेंद्रन ने बताया कि अभी दो ट्रफ और दो साइक्लोनिक सकुर्लेशन एक्टिव हैं। 1 अगस्त से सिस्टम और स्ट्रॅान्ग होगा। पूर्वी हिस्से में असर ज्यादा रहेगा। 2 और 3 अगस्त को भी तेज बारिश वाला सिस्टम रहेगा।

श्रावण के तीसरे सोमवार को बाबा महाकाल की सवारी में 1,500 डमरुओं की आवाज गूंजेगी

अब उज्जैन मे डम... डम...के स्वर से विश्व रिकॉर्ड बनाने की तैयारी

उज्जैन। श्रावण के तीसरे सोमवार को बाबा महाकाल की सवारी में गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाने के लिए 1500 डमरू वादकों द्वारा रामघाट पर 15 मिनट की प्रस्तुति दी जाएगी। यह आयोजन भस्म आरती की धुन पर किया जाएगा। डमरू वादक विशेष गणवेश में वादन करेंगे। उज्जैन में पहले भी कई विश्व रिकॉर्ड बनाए जा चुके हैं, लेकिन 5 अगस्त 2024 को बाबा महाकाल की तीसरी सवारी के दौरान एक अनोखा विश्व रिकॉर्ड बनाया जाएगा। इस विश्व रिकॉर्ड के आयोजन की तैयारी पहले से ही जोरों पर है। यह आयोजन मोक्षदायिनी शिप्रा नदी के तट पर स्थित रामघाट पर किया जाएगा। महाकाल मंदिर समिति की बैठक में इस प्रस्तुति का स्वरूप तय किया गया। भस्म रमैया भक्त मंडल की ओर से अन्य वादकों को तीन दिनों तक प्रशिक्षण दिए जाने की योजना है। समिति के पदाधिकारियों के अनुसार, विशेष डमरू दल महाकाल की तीसरी सवारी में शामिल होगा। देश-विदेश से आए भक्तों को पांच किलोमीटर लंबे सवारी मार्ग पर शिव को प्रिय वाद्यों की मंगल ध्वनि सुनाई देगी। एक जैसी गणवेश में झांझ और डमरू बजाते भक्तों को देखना एक अनोखा अनुभव होगा।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का योगदान - मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के कारण बाबा महाकाल की सवारी और भी भव्य होती जा रही है। उन्होंने सवारी को भव्यता प्रदान करने के लिए विशेष प्रयास किए हैं। बाबा महाकाल की दो सवारी में लोक नृत्यों के साथ ही 350 सदस्यीय पुलिस बैंड की प्रस्तुति दी गई। पांच अगस्त 2024 को निकाली जाने वाली तीसरी सवारी में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव खुद उपस्थित रहेंगे। इस दिन भगवान शिव को अति प्रिय डमरू का वादन किया जाएगा। उज्जैन और भोपाल से बड़ी संख्या में डमरू वादक उज्जैन पहुंचेंगे।

पहली बार ऐसा आयोजन -यह पहली बार हो रहा है कि 1500 डमरू बजाने का विश्व रिकॉर्ड बनाया जा रहा है। यह आयोजन बाबा महाकाल की सवारी और डमरू वादन के साथ आराधना को समर्पित होगा। विश्व रिकॉर्ड टीम के अधिकारी भी इस दिन उपस्थित रहेंगे और यह प्रस्तुति लगभग 10 मिनट तक चलेगी।

आयोजन की तैयारी - उज्जैन कलेक्टर नीरज कुमार सिंह ने बताया कि डमरू वादन के लिए एक लक्ष्य निर्धारित किया गया है और तैयारी शुरू हो चुकी है। एक समिति का गठन किया गया है, जो आयोजन का स्थान, डमरू वादकों की संख्या, और आयोजन के दौरान वादन की व्यवस्था सुनिश्चित करेगी। उज्जैन और भोपाल के कलाकारों के साथ ही बाबा महाकाल की सवारी में निकलने वाली भजन मंडलियां भी इसमें शामिल होंगी।

हिमाचल के निरमंड, मंडी और कुल्लू में बादल फटने से तबाही

53 लापता..तीन शव मिले, स्कूल बंद

शिमला। हिमाचल प्रदेश में बारिश ने तबाही मचाई हुई है। कुल्लू के निरमंड ब्लॉक, कुल्लू के मलाणा और मंडी जिले थलटूखोड़ में बादल फटे हैं। बादल फटने से भारी तबाही मची है। कई मकान, स्कूल और अस्पताल क्षतिग्रस्त हो गए हैं। तीनों जगह पर करीब 53 लोग लापता हो गए हैं। तीन शव बरामद हुए हैं। मंडी जिले में 35 लोग सुरक्षित बचाए गए हैं। बादल फटने की घटना के बाद मंडी के पधर के सभी स्कूल और शिक्षण संस्थान आज बंद कर दिए गए हैं। डीसी ने आदेश जारी किए हैं। कुल्लू में भी सभी शिक्षण संस्थान 2 अगस्त के लिए बंद कर दिए गए हैं। मंडी के थलटूखोड़ में आधी रात बादल फटने से तबाही मच गई। यहां मकान ढहने की सूचना है। सड़क कनेक्टिविटी भी ठप हो गई है। मौके के लिए एसडीआरएफ समेत अन्य टीमें रवाना हो गई हैं। थलटूखोड़ पंचायत प्रधान कली राम ने बताया कि तेरंग और

राजबन गांव में बादल फटने की घटना हुई है। घटना में कई लोग लापता है। तीन घर बहने की सूचना है।जानकारी मिली है कि पधर उपमंडल के थलटूखोड़ में बादल फटने की घटना में सात लोग लापता हैं, तीन शव बरामद कर लिए गए हैं। जबकि 35 सुरक्षित हैं। मंडी जिला प्रशासन ने रेस्क्यू के लिए एयरफोर्स को अलर्ट किया है। मदद की जरूरत होने पर सेवाएं ली जाएंगी। एनडीआरएफ को भी मदद का निवेदन किया गया है। डीसी अपूर्व देवगन और रेस्क्यू टीमें पैदल ही प्रभावित क्षेत्र के लिए जा रही हैं। मौके पर मौजूद स्थानीय प्रशासन राहत कार्यों में जुटे हैं। सड़कें और रास्ते टूटने के कारण घटनास्थल तक पहुंचने में दिक्कत आ रही है। इसके अलावा, शिमला-कुल्लू सीमा पर बादल फटने से तबाही मची है। कई मकान, स्कूल और अस्पताल क्षतिग्रस्त हो गए हैं। कई लोगों के लापता होने की खबर है। राहत एवं बचाव कार्य चलाया गया है। मौके के लिए एसडीआरएफ की टीम रवाना हो गई है। जानकारी के अनुसार, निरमंड ब्लॉक के झाकड़ी में समेज खड्ड में हाइड्रो प्रोजेक्ट के नजदीक गुरुवार सुबह तड़के बादल फटा है। इससे भारी नुकसान हुआ है। 36 लोगों के लापता होने की खबर है। इसमें स्थानीय लोग व कुछ मजदूर शामिल हैं। घटना स्थल के लिए उपायुक्त अनुपम कश्यप और पुलिस अधीक्षक संजीव गांधी भी रवाना हो गए हैं। उपायुक्त अनुपम कश्यप ने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही एनडीएसआरएफ की टीम, पुलिस, रेस्क्यू दल घटना स्थल के लिए रवाना हो चुके हैं।एसडीएम रामपुर निशांत तोमर घटना स्थल पर पहुंच रहें है। सड़क कई जगह बंद होने के कारण टीम दो किलोमीटर पैदल ही घटना स्थल पर पहुंचने के लिए प्रयास कर रही है। उपायुक्त अनुपम कश्यप ने कहा कि आईटीबीपी, स्पेशल होम गार्ड की टुकड़ी को भी रेस्क्यू दल में शामिल किया गया है।

News सिटी चीफ

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

Fastest Growing Media Network

अवश्यकता है

इंदौर भोपाल जिले के सभी तहसीलो में दैनिक अख़बार और डिजिटल रिपोर्टर की।

डिजिटल और प्रिंट के लिये मार्केटिंग टीम (मेल/फीमेल) एवं हेल्परों की अवश्यकता है

डिजिटल मीडिया का क्रान्तिकारी कदम

डिजिटल भारत में खबरों के लिए देखे सिटी चीफ न्यूज़

रिपोर्टर बनने के लिए सम्पर्क करे

9755996590

सिंगल कॉलम

व्यापारी पर हमला और लूट करने वाले दो आरोपी गिरफ्तार

इंदौर। इंदौर के तुकोगंज में शुक्रवार देर रात साड़ी व्यापारी पर हमला कर दो बदमाशों ने लूट की वारदात की थी। इस मामले में तुकोगंज पुलिस ने आरोपियों को दबोच लिया है। पुलिस ने आरोपियों को पकड़ने में कड़ी मेहनत की। 100 से ज्यादा कैमरे खंगालते हुए पुलिस आरोपियों तक पहुंच गई। एमजी रोड़ में मणिरत्न के पीछे लाल बंगले में रहने वाले पलाश जैन के यहां दो चोरो ने लूट की वारदात की थी। आरोपियों ने पलाश जैन पर हमला किया और आभूषण और नकदी लेकर फरार हो गए थे। इस मामले में टीआई जितेन्द्र यादव ने थाने में टीम बनाने के साथ लगातार फुटेज खंगाले। जिसमें हुकुमचंद कॉलोनी में रहने वाले रवि और बाणगंगा के पवन को पकड़ा है। आरोपियों ने पलाश के यहां पर वारदात करना कबूला है। अफसर इस मामले में 4 बजे तक खुलासा करेगे। तुकोगंज के लाल बंगले में पलाश जैन अपने परिवार के साथ रहते है। जो राजबाड़ा साड़ी की दुकान संचालित करते है शुक्रवार देर रात यहां पर दो बदमाश उनके घर में चोरी की वारदात को अजांम देने के लिये घुसे। करीब 3ः30 बजे के लगभग पत्नी परिधि जैन को चलने की आहट सुनाई थी। उन्होंने पास में सो रहे पति पलाश को उठाया। वह उपर की तरफ कमरे में गए तो वहां दो लड़के दिखे। उन्होंने मुंह पर गमछा बांधे हुए था। वह कमरे से समान लेकर निकले ही थी। तब पलाश ने उन्हें आवाज देकर पकड़ने की कोशिश की। एक नकाबपोश बदमाश ने टॉमी से पलाश के सिर,हाथ और पैर पर मारा। जिसमें पलाश चीखा ओर उसके सिर से खून निकलने लगा। आवाज सुनकर पत्नी परिधि ओर मां वहां पहुंची। जब पलाश जमीन पर गिरा पड़ा था। बाद में परिवार के लोग जागे तब तक बदमाश भाग चुके थे। पलाश को उपचार के लिये सीएचएल अस्पताल भेजा गया है। परिवार ने पुलिस को बताया कि बदमाश अलमारी के लॉक तोड़कर उसमें से आभूषण और अन्य सामान लेकर फरार हुए है।

चोरी की कार से आए और चुराई दूसरी कार, दो गिरफ्तार

इंदौर। खजराना पुलिस ने एक कार चोरी के मामले में दो आरोपियों को पकड़ा है। आरोपी प्रदेश के कई जिलों में चोरी की वारदातें कर चुके हैं। सरगना पर कार चुराने के डेढ़ दर्जन केस दर्ज हैं। आरोपी कार से आए और इंदौर से कार चुराकर ले गए। पुलिस ने बताया कि खजराना इलाके से शुभम रसीले निवासी सोलंकी नगर की ईको कार एमपी09जेडसी9043, 24 जुलाई की रात चोरी हुई थी। शुभम की शिकायत पर डीसीपी अभिनव विश्वकर्मा ने जांच शुरू की। उन्हें पता चला कि ईको कार की चोरी साइलैंसर की तस्करी के लिये की जाती है। इस काम में कोई गैंग सक्रिय है। यह गैंग साइलैंसर में लगी मंहगी धातु प्लेटिनम को दिल्ली में बेचती है। इसके बाद आसपास के फुटेज निकाले गए। जिसमें कार के आगे पीछे दूसरी कार आती जाती दिखाई दी। खजराना पुलिस की टीम ने उसके भी फुटेज निकाले। टीम देवास और भोपाल रोड पर पहुंची। यहां आरोपी सद्दाम उर्फ शादाब उर्फ सद्दु शाह अली निवासी लंगरपुरा और उसके साथी सोहेल पुत्र राजू शेख निवासी ग्रीन पार्क कालोनी देवास को पकड़ा गया। आरोपियों के पास से शुभम की चुराई गई कार बरामद की गई है। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक सद्दाम चोरी के मामले में आदतन अपराधी है। उस पर भोपाल के कई थानों में केस दर्ज हैं। इसके अलावा सिहोर, देवास और इंदौर में एक बार चोरी के मामले में बंद हो चुका है। वह कार चोरी कर उसके पार्ट्स बेचते थे। कई बार शराब तस्करी को लेकर भी वाहन को ठिकाने लगा देते हैं। सद्दाम के पास से एक अन्य कार भी बरामद हुई है।

हिस्ट्रीशीटर बदमाश के साथ युवती ने भी चलाए चाकू

इंदौर। इंदौर के परदेशीपुरा में एक हिस्ट्रीशीटर बदमाश और उसके साथी युवती द्वारा एक व्यक्ति को चाकू मारने का सीसीटीवी वीडियो सामने आया है। आरोपियों काफी देर तक चोरी का आरोप लगाकर व्यक्ति को पीटते रहे। मामला इलाके के जनता क्वार्टर का है। दरअसल युवक युवती और उसका साथी रूपए छीनने का प्रयास कर रहे थे। मामले में घायल पीड़ित थाने पहुंचा। यहां पुलिस ने नशेड़ी होने की बात करते हुए केस दर्ज करने से इनकार कर दिया। लेकिन बाद में जब अफसरों तक सीसीटीवी फुटेज पहुंचे तो चाकूबाजी की धाराओं में केस दर्ज किया है। लाके के जनता क्वार्टर में रविवार शाम जितेन्द्र बागड़ी मोती बाबा मंदिर पर दर्शन करने पहुंचा था। उसे राकेश भोई, निधी और एक अन्य बदमाश ने रोका। उससे कहा कि वह यहां चोरी करने आया था। उसकी जेब चेक की और रूपए निकालने की कोशिश की। इसके बाद खुद को इलाके का बदमाश बताते हुए मारपीट की। आरोपियों से जितेन्द्र बागड़ी ने कहा कि वह दर्शन करने आया था। लेकिन राकेश ने आरोप लगाते हुए कहा कि इलाके में चोरियां ज्यादा हो रही है। तुम चोर हो। इसके बाद निधी, राकेश भोई ने उसे चाकू मार दिए। राकेश भोई परदेशीपुरा का हिस्ट्रीशीटर बदमाश है। उस पर डेढ़ दर्जन अपराध दर्ज है। भीड़भाड़ वाले इलाके में वह जितेंद्र बागड़ी को मार रहा था। लेकिन कोई बचाव में नही आया। बाद में जितेंद्र ने भागकर अपनी जान बचाई। वह अपने घर पहुंचा। मां को पूरी घटना की जानकारी दी।

इंदौर के 20 फीसदी स्कूलों ने ही कराया रजिस्ट्रेशन

सफल होने पर ही पता चलेगा बच्चों के सीखने का लेवल

सिटी चीफ इंदौर।
स्कूलों में छात्रों की शैक्षणिक गुणवत्ता पता करने के लिए सीबीएसई बोर्ड ने तीन साल पहले स्ट्रक्चर्ड असेसमेंट फॉर एनालिसिस लर्निंग यानी सफल टेस्ट शुरू किया था। इस बार 'सफल' को पायलेट प्रोजेक्ट के तहत लागू किया गया है। इसमें जनवरी में स्कूलों को इस ऑनलाइन टेस्ट के लिए रजिस्ट्रेशन करना था। हालांकि, तय मानक पूरे नहीं होने के चलते इंदौर के करीब 20 स्कूलों ने ही रजिस्ट्रेशन करवाया है।
सफल टेस्ट 22 जुलाई से शुरू हो चुके हैं, जो 12 अगस्त तक चलेंगे। बताते चलें कि सीबीएसई की तरफ से नर्सरी से लेकर आठवीं कक्षा तक छात्र-छात्राओं का मूल्यांकन करने के लिए सफल ऑनलाइन टेस्ट शुरू किया गया है। इस बार यह टेस्ट तीसरी, पांचवीं, छठीं और आठवीं क्लास के स्टूडेंट्स का लिया जा रहा है।

इंग्लिश, मैथ्स और साइंस सब्जेक्ट का हो रहा टेस्ट

इस टेस्ट में विद्यार्थी कितना सीख रहे हैं, उनकी योग्यता, दक्षता आदि का आकलन किया जाएगा। इस बार सफल टेस्ट के लिए जिले से 20 से अधिक स्कूलों में तीन स्लॉट में परीक्षा चल रही है। यह टेस्ट इंग्लिश, मैथ्स और साइंस सब्जेक्ट में लिया जा रहा है।
सीबीएसई मामलों के विशेषज्ञ उत्तम कुमार झा ने बताया कि सफल के लिए सीबीएसई ने मानक तय किए हैं। यह टेस्ट ऑनलाइन होते हैं। इसलिए स्कूल में एडवांस कम्प्यूटर सेटअप होना जरूरी है। सभी स्कूलों को सफल में शामिल होना चाहिए, लेकिन मानदंड पूरे नहीं होने से कम स्कूलों ने ही रजिस्ट्रेशन कराया है।

पूरे देश में चल रहा है यह प्रोजेक्ट

यह टेस्ट इसलिए भी जरूरी है, ताकि बच्चों को सही तरीके से मूल्यांकन हो सके। छात्र एक कक्षा से अगली कक्षा में तो आ जाते हैं, लेकिन कई बार सिलेबस के अनुसार सीख नहीं पाते हैं। सीबीएसई मामलों के विशेषज्ञ श्याम अग्रवाल ने बताया कि सफल को पायलेट प्रोजेक्ट के रूप में शुरू किया गया है। तीन स्लॉट में हो रहे टेस्ट में एक घंटे में विषयवार 20 से 30 प्रश्न पूछे जा रहे हैं। यह प्रोजेक्ट पूरे देशभर में चल रहा है।

स्कूल का परिणाम नहीं होगा सार्वजनिक

सीबीएसई ने जो सर्कुलर जारी किया है। उसके अनुसार, सफल प्रोजेक्ट का मकसद सिर्फ विद्यार्थियों की दक्षताओं का आकलन करना है। यह न तो प्रतियोगिता है और न ही परीक्षा है। सफल टेस्ट का उद्देश्य विद्यालय में गुणवत्तापूर्ण शिक्षण व्यवस्था को बेहतर करना है। सफल योग्यता आधारित मूल्यांकन है।
इसके लिए किसी विशेष प्रकार की कक्षा लेने या तैयारी करने की जरूरत नहीं है। सभी प्रतिभागी विद्यालयों को केवल विद्यालय-स्तरीय दक्षता रिपोर्ट ही प्रदान की जाएगी। संबंधित विद्यालय केवल खुद की सफल रिपोर्ट ही देख सकेगा। सफल की रिपोर्ट सार्वजनिक नहीं की जाएगी।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की चार दिवसीय बैठक आज से इंदौर में

संघ के सरकार्यवाह करेंगे शिरकत

सिटी चीफ इंदौर।
राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संपर्क विभाग की आंतरिक बैठक गुरुवार से शुरू होने जा रही है, जो चार अगस्त तक इंदौर स्थित एचआर ग्रीन रिसोर्ट परिसर में होगी। इस चार दिवसीय बैठक में संपर्क विभाग के विभिन्न क्षेत्र और प्रांत के 180 पदाधिकारी और कार्यकर्ता की मौजूदगी में अलग-अलग मुद्दों पर विचार मंथन होगा।
बैठक में संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले और सह कार्यवाह डॉ. कृष्णगोपाल मौजूद रहेंगे। संघ के 11 क्षेत्र और सभी प्रांत के संपर्क और सहसंपर्क प्रमुख के साथ ही राष्ट्रीय सहसंपर्क प्रमुख सुनील देशपांडे और रमेश पप्पाजी भी आएंगे।
हर वर्ष देश के किसी एक बड़े शहर में होने वाली यह बैठक इंदौर में लंबे समय बाद हो रही है। इसमें चार दिनों में 24 से अधिक सत्र होंगे, जिनमें संघ के अलग-अलग प्रांत और क्षेत्र के संपर्क और सहसंपर्क प्रमुख अपने वर्षभर के कामकाज का विवरण देंगे।
एक दिन वर्षभर के कार्यकाल की समीक्षा होगी और इसके बाद अगले दिन आने वाले वर्ष की कार्ययोजना बनाई जाएगी। साथ ही संघ के विभिन्न प्रकल्प के माध्यम से किए जा रहे सेवा और अन्य गतिविधियों को लेकर जनमानस के विचार भी वरिष्ठ नेतृत्व के सामने रखे जाएंगे।
इन चार दिनों में कई सत्र ऐसे भी होंगे, जिनमें प्रतिनिधि पावर पाइंट प्रजेंटेशन के माध्यम से अपनी बात रखेंगे। सभी मुख्य पदाधिकारी गुरुवार सुबह तक इंदौर पहुंच जाएंगे। संघ का संपर्क विभाग संघ और जनता के बीच संवाद की सबसे महत्वपूर्ण कड़ी है।
दशहरा पर नागपुर में होने वाले संघ प्रमुख के उद्बोधन के बाद इस उद्बोधन में शामिल मुद्दों पर संपर्क विभागीय समाज के अलग-अलग वर्ग के प्रतिनिधियों को एक फोरम पर लाकर संवाद करता है और उनकी राय संघ के शीर्ष नेतृत्व तक पहुंचाई जाती है।

दिग्विजय की चुनाव याचिका पर हाईकोर्ट का चुनाव आयोग को नोटिस

सांसद रोडमल से भी मांगा जवाब

सिटी चीफ इंदौर।
इंदौर। मप्र हाईकोर्ट ने पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह की चुनाव याचिका पर निर्वाचन आयोग और राजगढ़ के भाजपा सांसद रोडमल नागर सहित अन्य को नोटिस जारी कर जवाब-तलब किया है। इसके लिए आगामी सुनवाई तिथि 17 सितंबर को नियत की गई है। याचिका के जरिये ईवीएम-वीवीपेट पर सवाल खड़ा किया गया है। याचिकाकर्ता दिग्विजय सिंह की ओर से पैरवी करने वाले सीनियर एडवोकेट रवींद्र सिंह छाबड़ा ने बताया कि याचिका में हमने दोबारा चुनाव कराने की मांग की है। सुप्रीम कोर्ट ने भी इस संबंध में स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि वीवीपीएट का मिलान किया जाना चाहिए, लेकिन निर्वाचन अधिकारी ने ऐसा नहीं किया। जनता जिसे वोट दे रही है, उसे ही मत जाना चाहिए। मप्र के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने राजगढ़ सीट पर लोकसभा सदस्य का निर्वाचन निरस्त करने की मांग करते हुए मप्र हाई कोर्ट में याचिका दायर की थी। याचिका में उन्होंने ईवीएम पर सवाल खड़े किए हैं। उनका कहना है कि निर्वाचन में वोटर वेरिफिएबल पेपर आडिट ट्रेल (वीवीपीएट) का सत्यापन नहीं किया गया था। इस तरह जिला निर्वाचन अधिकारी ने भारत निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देश के अनुसार काम नहीं किया है। मतदान के बाद वीवीपीएट को संरक्षित भी नहीं किया गया। बुधवार को हाई कोर्ट ने दिग्विजय सिंह की ओर से प्रस्तुत आरंभिक तर्क सुनने के बाद निर्वाचन आयोग और राजगढ़ के सांसद रोडमल नागर को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। मामले में अगली सुनवाई 17 सितंबर को होगी। राजगढ़ लोकसभा सीट पर पूर्व मुख्यमंत्री कांग्रेस प्रत्याशी के रूप में भाजपा के प्रत्याशी रोडमल नागर से पराजित हो गए थे।

नर्मदा में डूबने से इंदौर के एक परिवार के तीन लोगों की मौत

इंदौर। खरगोन जिले के महेश्वर में नर्मदा नदी में डूबने से इंदौर के एक ही परिवार के तीन सदस्यों की मौत हो गई। तीनों मंदिर में दर्शन करने के बाद पेशवा घाट में नहाने के लिए आए थे। पहले बेटे का पैर फिसला और वह गहरे पानी में डूबने लगा। उसे बचाने के लिए मां पानी में उतरी तो वह भी डूबने लगी। यह देख मौसी बचाने गई और वह भी डूब गई। तीनों को तैरना नहीं आता था। गोताखोरों ने बड़ी मशक्कत के बाद तीनों के शव निकाले। यह परिवार इंदौर के सांवेर रोड ई-सेक्टर में रहता है। परिजनों ने बताया कि हमारा परिवार महेश्वर घूमने के लिए सुबह 11 बजे वहां पहुंचा था। मंदिरों में दर्शन करने के बाद दोपहर दो बजे घाट पर स्नान कर रहा 18 वर्षीय विक्रम राजपूत डूबने लगा तो यह देख मां उर्मिला और मौसी 25 वर्षीय मोहिनी ने हाथ पकड़ कर उसे बचाने की कोशिश की, लेकिन तीन गहरे पानी में चले गए। हम उन्हें बचाते, उससे पहले ही तीनों डूब गए। बाद में पुलिस को सूचना दी। पुलिस गोताखोरों को लेकर घाट पर आई और तीनों के शव को निकाला। शव को पोस्टमॉर्टम के बाद इंदौर पहुंचाया गया। हादसे में मृत मोहिनी का डेढ साल का बेटा है। वह भी तब घाट पर ही था और अपनी मां को न पाकर रोने लगा था। आपको बता दें महेश्वर घाट पर दो साल में 20 से ज्यादा मौते हो चुकी हैं।

न सवाल-जवाब, न बहस, पास हो गया इंदौर का बजट

इंदौर। इंदौर के वोटरों ने अपने गली मोहल्लों के विकास के लिए जिन्हें पार्षद बनाकर नगर निगम भेजा, वे शहर के विकास पर गंभीर चर्चा के बजाए बुधवार को हंगामा और शोर शराबा करते नजर आए। आठ हजार करोड़ के बजट, बढाए गए टैक्स,100 करोड़ के ड्रेनेज घोटाले पर एक लाइन की भी चर्चा नहीं हुई। सत्तापक्ष को डर था कि 100 करोड़ के घोटाले के मुद्दे पर उनकी घेराबंदी न हो जाए इसलिए कांग्रेस के पार्षदों को बोलने नहीं दिया। विपक्ष की भी इतनी तैयारी नहीं थी कि वे तार्किक बात कर भाजपा परिषद को कटघरे में खड़ा कर सके। बस दोनो तरफ से हंगामा बरपाया गया और आठ हजार करोड़ के बजट को मंजूर करने में आठ मिनिट भी नहीं लगे। इसके लिए भी चार बार सदन की कार्यवाही स्थगित करना पड़ी।
मेयर पुष्य मित्र द्वारा पेश किए गए बजट पर बुधवार को बहस होना थी। कांग्रेस पार्षद वाटर टैक्स, प्रॉपर्टी टैक्स में की गई बढ़ोतरी का पुरजोर विरोध की तैयारी से आए थे। प्रश्नोत्तर काल के लिए विपक्ष के पार्षदों को बोलना था। पार्षद फौजिया शेख अलीम ने बोलना शुरू किया तो भाजपा पार्षदों ने यह कहकर हंगामा शुरू कर दिया कि मंगलवार को कांग्रेस पार्षद सदन छोड़कर गए थे, इसलिए उन्हें बोलने का मौका न दिया जाए। हंगामे के कारण सभापति मुन्नालाल यादन ने सदन की कार्यवाही दस मिनट के लिए स्थगित कर दी।

इंदौर का ट्रैफिक सुधारने के लिए सड़क पर उतरे कलेक्टर

सिटी चीफ इंदौर।
इंदौर। इंदौर को ट्रैफिक जाम से मुक्ति दिलाने के लिए कलेक्टर आशीष सिंह खुद सड़कों पर उतर गए हैं। बुधवार को कलेक्टर आशीष सिंह के निर्देशन में अभियान चलाकर इंदौर शहर में यातायात सुधार के लिए विशेष प्रयास किए गए। इसी सिलसिले में जहां एक ओर सड़कों और फुटपाथों से अतिक्रमण और अन्य बाधाएं हटाई गईं, वहीं दूसरी और चौराहों पर भी लेफ्ट टर्न चौड़ा करने, इंजीनियरिंग एवं तकनीकी सुधार सहित अन्य कार्य करने के निर्देश दिए गए हैं। कलेक्टर ने वरिष्ठ अधिकारियों के साथ शहर के 10 चौराहों का निरीक्षण किया। इस दौरान इन्होंने चौराहों के यातायात को शीघ्र ही सुगम करने के निर्देश दिए। इस दौरान नगर निगम आयुक्त शिवम वर्मा, डीसीपी ट्रैफिक अरविंद तिवारी, इंदौर विकास प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालन अधिकारी आर. पी. अहिरवार, अपर कलेक्टर सपना लौवंशी सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद थे।

इन चौराहों पर पहुंचे अधिकारी

कलेक्टर आशीष सिंह ने शुरुआत गीता भवन चौराहे से की। इस दौरान उन्होंने चौराहे के यातायात को देखा। उन्होंने इस चौराहे पर यातायात को सुगम बनाने की संभावनाओं पर चर्चा की। इसी तरह उन्होंने मधुमिलन चौराहा, छावनी चौराहा, जीपीओ चौराहा, नौलखा चौराहा, भंवरकुआ चौराहा, चोइथराम चौराहा, चाणक्यपुरी चौराहा, अन्नपूर्णा रोड़, महू नाका चौराहा और गंगवाल बस स्टैंड चौराहा के यातायात का अवलोकन किया।

मधुमिलन पर फ्लाईओवर बनाने का सुझाव

कलेक्टर ने मधुमिलन चौराहे पर यातायात को सुगम बनाने के संबंध में अधिकारियों से विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि यहां जल्द ही ऐसी व्यवस्था बनाई जाए जिससे की वाहन चालकों को किसी भी तरह की परेशानी का सामना नहीं करना पड़े, यातायात भी जाम नहीं हो। उन्होंने यहां यातायात को सुगम करने की हर संभावनाओं पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि यहां ग्रेड सेपरेटर/फ्लाईओवर बनाने की संभावनाएं भी देखी जाए। ऐसी व्यवस्था यहां करें जिसका लाभ लंबे समय तक मिले। इसी तरह उन्होंने चोइथराम चौराहे के यातायात को भी देखा और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। गंगवाल बस स्टैण्ड चौराहा सहित अन्य चौराहों को भी सुगम यातायात के अनुकूल बनाने के निर्देश दिए।

कार्ययोजना बनाई जाएगी

बताया गया कि इन चौराहों पर जल्द ही आवश्यकता के अनुसार यातायात सिग्नल के टाइमिंग को सुधारने लेफ्ट टर्न चौड़ा करने, इंजीनियरिंग एवं तकनीकी सुधार करने सहित अन्य बाधाएं हटाने के कार्य आदि किए जाएंगे। कलेक्टर आशीष सिंह ने बताया कि चौराहों पर यातायात सुगम बनाने के लिए चौराहावार कार्ययोजना बनाई जाएगी। इस कार्ययोजना को जन प्रतिनिधियों से चर्चा के उपरांत अंतिम रूप दिया जाएगा।
सत्य साईं चौराहे पर लेफ्ट टर्न भी बनेगा कलेक्टर आशीष सिंह ने जून में किये गये चौराहों के निरीक्षण के दौरान दिए गए निर्देशों के परिपालन की जानकारी भी ली। बताया गया कि उस दौरान दिए गए निर्देशों के परिपालन में सभी 6 चौराहों पर आवश्यक कार्य एवं सुधार प्रारंभ कर दिए गए हैं। बताया गया कि बायपास मार्ग बिचौली में आईलैण्ड के डिसमेंटलिंग का कार्य प्रगति पर है। रेडिसन चौराहे पर सर्विस रोड़ की इंट्री बंद करने हेतु कट बनाने का कार्य प्रगति पर है।

संसद में राहुल गांधी के जाति के मुद्दे पर प्रदेशमें गरमाई सियासत, पटवारी ने अनुराग ठाकुर को दिया जवाब

जिनके परिवार का आजादी की जंग में योगदान रहा, उनकी जाति जानना चाहती है भाजपा

सिटी चीफ भोपाल।

पूर्व केंद्रीय मंत्री सांसद अनुराग ठाकुर द्वारा लोकसभा में राहुल गांधी की जाति का मुद्दा उठाए जाने के बाद मध्य प्रदेश में भी कांग्रेस बीजेपी पर हमलावर हो गई है। मध्य प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने भी पलटवार करते हुए अनुराग ठाकुर को जवाब दिया है। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कहा भाजपा उन राहुल गांधी की जाति जानना चाहती हैं जिनके परिवार का देश की आजादी की जंग में योगदान रहा और अपनी उम्र तक खपा दी, जिनकी दादी और पिता ने इस देश के लिए शहादत दी।

पटवारी ने कहा कि हमारी पार्टी जातिगत जनगणना करना चाहती है,ताकि जिस जाति की जितनी हिस्सेदारी है उसको उतना अधिकार मिले। लेकिन बीजेपी के लोग लगातार जातिगत जनगणना का विरोध कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि कल अनुराग ठाकुर ने सदन में जो बयान दिया, उससे साफ है कि बीजेपी के लोग जातिगत जनगणना नहीं चाहते हैं और यही भाजपा की सोच है। मैं अनुराग ठाकुर को धन्यवाद देता हूं कि उन्होंने भाजपा की सोच को देश के सामने रखा है। बीजेपी के लोग कुछ भी कहें लेकिन राहुल गांधी समाज के विभिन्न तबकों की आवाज लगातार उठाते रहेंगे।

मध्य प्रदेश विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार मैं अपने सोशल साइड में लिखा कि हां, मैं भारतीय हूं और आदिवासी हूं, लेकिन मुझे नहीं पता कि हम कितने हैं, ये प्रश्न देश के हर समाज का है लेकिन सइखढ जाति जनगणना से बचकर भागना क्यों चाहती है, जनता को इसका कारण तो बताए प्रत्येक समाज और वर्ग को ये जानने का पूरा हक है कि देश की 140 करोड़ आबादी में उनकी हिस्सेदारी कितनी है! यह इसलिए भी जरूरी है कि इस आंकड़े से ही सामाजिक व्यवस्थाओं के लिए संसाधन जुटाए जा सकते हैं! लेकिन, इखढ की मंशा कुछ और ही है। वो हर मामले में राजनीति करने का बहाना ढूंढती रहती है , जो अनुराग ठाकुर जी के सवालों में देखा जा सकता है कांग्रेस जाति जनगणना के पक्ष में है, क्योंकि समाज के हर वर्ग को उसकी जनसंख्या का आंकड़ा पता होना चाहिए! यह विषय जाती का नहीं, अधिकार का है

कांग्रेस बाबा साहब अंबेडकर के संविधान में इखढ की तरह ढोंग नहीं करते!

यह है पूरा मामला

मंगलवार को लोकसभा में बीजेपी सांसद अनुराग ठाकुर ने सदन में राहुल गांधी की जाति पूछ ली। उन्होंने कहा जिसकी जाति का पता नहीं, वो गणना की बात करता है। इस टिप्पणी के बाद कांग्रेस अनुराग ठाकुर पर हमलावर हो गई है। जहां केंद्र में कांग्रेस नेता लगातार भाजपा पर हमलावर है वही मध्य प्रदेश में भी राहुल गांधी पर की गई इस टिप्पणी को लेकर नेता मुखर हो गए हैं।

राहुल गांधी का काम जाति के नाम पर लड़ाना- विश्वास सारंग

इधर जीतू पटवारी के बयान पर कटाक्ष करते हुए मध्य प्रदेश शासन के कैबिनेट मंत्री विश्वास सारंग ने कहा कि राहुल गांधी का काम ही जाति के नाम पर लड़ाना है..वह चुनाव में 100 सीटें भी नहीं जीत पाए और सदन की गरिमा तोड़ने में लगे हैं।

नासा की सहायता से एक घंटे में घटनास्थल पर पहुंच जाते हैं उपाय

जंगल में आग पर काबू पाने की मप्र का एसओपी मॉडल अब देशभर में होगा लागू

सिटी चीफ भोपाल।

मध्य प्रदेश की फारेस्ट फायर कंट्रोल एसओपी (जंगल में आग पर काबू पाने की मानक संचालन प्रक्रिया) की केंद्र सरकार ने सराहना की है। इसी आधार पर अब नए सिरे से भारत सरकार की ऐसी ही एसओपी बनाई जा रही है। इसमें जंगल की आग बुझाने के लिए किए गए प्रयास, अग्नि पोर्टल में जन सहभागिता से आग की सूचना और उस पर नियंत्रण सहित वन अमले की पेट्रोलिंग के प्रयास शामिल हैं।

आग की घटनाओं को रोकने के लिए सर्वाधिक कारगर जन सहभागिता सिद्ध हुई है। केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्रालय द्वारा अब उत्तराखंड में भी यही प्रयोग करने की बात की जा रही है। पिछले दिनों केंद्रीय वन एवं पर्यावरण सचिव ने राज्यों की बैठक में मध्य प्रदेश की एसओपी को देशभर में लागू करने की बात भी कही गई थी। आग की घटनाओं को रोकने के लिए नासा के सेटेलाइट की भी मदद ली जाती है। नासा के एक्वा और टेरा उपग्रहों पर लगे मोडिस सेंसर द्वारा वन में अग्नि स्थानों के बारे में पता लगाया जाता है। एक घंटे से भी कम समय में घटनास्थल

पर आग नियंत्रण के किए उपाय जाते हैं। बता दें, नेशनल डिजास्टर मैनेजमेंट अथारिटी (एनडीएमए) और पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (एमओइएफसीसी) भारत सरकार ने मई 2023 में मध्य प्रदेश और उत्तराखंड के जंगल में लगी आग के कारण पर अध्ययन करवाया था। यह पाया गया कि जंगल में आग प्राकृतिक और मानव जनित दोनों कारणों से लगती है।

जंगल की आग आपदा

भारत सरकार ने उत्तराखंड और मध्य प्रदेश में जंगल की आग को आपदा माना था। इन घटनाओं को रोकने बेहतर प्रबंधन किया गया। इसका परिणाम यह रहा कि मध्य प्रदेश में वर्ष 2021 में जहां 19,660 हेक्टेयर जंगल आग से प्रभावित हुआ था तो वर्ष 2023 में केवल 4496.11 हेक्टेयर वन क्षेत्र में ही आग लगी। इस वर्ष महज 1190 हेक्टेयर वन क्षेत्र में आग लगी।

जन सहभागिता के लिए पोर्टल पर एक लाख लोग पंजीकृत

वन अग्नि पोर्टल पर एक लाख से अधिक लोगों ने पंजीयन किया है। ये लोग जंगल की आग की सूचना मिलने पर तत्काल नजदीकी वन अमले को सूचित करते हैं। साथ ही आग बुझाने में भी सहयोग करते हैं। वहीं वन विभाग द्वारा वन क्षेत्र से लगे गांवों के ग्रामीणों को जंगल की आग से होने वाले नुकसान के बारे में बताकर इसके प्रति जागरूक किया जाता है। इसके चलते अब ग्रामीण सचेत रहते हैं और वन अमले के साथ मिलकर आग पर नियंत्रण के उपाय करते हैं।

यह प्रयोग बैतूल जिले और बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में कारगर साबित हुआ है। यह दो वन क्षेत्र ऐसे हैं जहां आग की घटनाएं सर्वाधित होती रही हैं। लेकिन वर्ष 2023 से इस जुलाई तक आग की घटनाओं में 75 प्रतिशत तक कमी आई है।

ऐसे किया नियंत्रण

ग्रामीणों द्वारा खेतों में आग लगाई जाती है तो वन अमला इसकी निगरानी करता है। आग लगने वाले संभावित वन क्षेत्रों में वन अमला तैनात किया जाता है। वन अमले के मोबाइल फोन पर वन अग्नि नियंत्रण के लिए बनाया गया एप डाउनलोड कराकर सेटेलाइट इमेज की मदद से शीघ्र आग लगने वाले स्थल पर पहुंचा जाता है।

जन सहभागिता से मप्र में जंगल की आग की घटनाओं में 75 प्रतिशत तक कमी आई है। भारत सरकार ने हमारे इस प्रयास को सराहा है।

– दिलीप कुमार, पीसीसीएफ प्रोटेक्शन वन विभाग, मध्य प्रदेश

पीआरओ की दहेज हत्या के आरोपी पति व सास की अग्रिम जमानत याचिका खारिज

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। जिला न्यायालय के विशेष न्यायाधीश विनय कुमार भारद्वाज ने पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल की पीआरओ पूजा थापक की दहेज के लिए हत्या के मामले के आरोपी पति निखिल दुबे एवं सास आशा दुबे की अग्रिम जमानत याचिका मंगलवार को खारिज कर दी है। शासन की ओर से अपर लोक अभियोजक प्रीति श्रीवास्तव ने जमानत आवेदन पर आपत्ति दर्ज कराई थी। बता दें कि घटना के बाद से ही आरोपी मां-बेटा फरार चल रहे हैं। गोविन्दपुरा थाना पुलिस ने आरोपितों के विरुद्ध फरारी और तलाशी पंचनामा सोमवार को न्यायालय में पेश कर दिया था। इसके बाद न्यायालय ने दोनों के विरुद्ध वारंट जारी किया है।

शादी के बाद से ही दहेज के लिए करने लगे थे परेशान

नौ जुलाई 2024 को पूजा थापक ने अपने घर में फांसी लगा ली थी। जांच के दौरान पुलिस ने पूजा के पिता, मां, भाई, एवं बहन के कथन लेख किए गए थे। इसमें बताया गया कि सास आशा दुबे एवं पति निखिल की मांग पर दहेज का सामान एवं परिवार के सदस्यों को ज्वेलरी दी गई थी। शादी के बाद से ही उनके द्वारा और दहेज की मांग की जाने लगी थी। दोनों उनकी बेटी पर इंदौर में फ्लैट खरीदने के लिए रुपये लाने के लिए दबाव बना रहे थे। पूजा के कहने पर उन लोगों ने 19 मार्च 2023 को 22 लाख आरटीजीएस के माध्यम से जमा किये थे। साथ ही दो बार में 90 हजार एवं 6 लाख 60 हजार रुपये आरोपी निखिल के खाते में ट्रांसफर किये थे। मृतका के पति नितिन दुबे एवं सास आशा दुबे के विरुद्ध धारा 80, 85, 108 एवं धारा-3 (5) बी.एन.एस. 2023 एवं 3/4 दहेज प्रतिषेध अधिनियम के तहत मुकदमा कायम किया गया है। पुलिस आरोपितों की तलाश कर रही है। आरोपितों के बारे में पुलिस को अब तक कोई सुराग नहीं मिला है।

सूने मकानों की रैकी करते हुए दबोचा, 4 और वारदातों का हुआ खुलासा

कई राज्यों में चोरी कर चुके बदमाशों को भोपाल पुलिस ने पकड़ा

सिटी चीफ भोपाल।

राजधानी भोपाल में अब दूसरे राज्यों से भी भोपाल खाकर चोरियां कर रहे हैं। राजस्थान से आए दो चोरों को अयोध्या नगर पुलिस ने सूने मकानों की रैकी करते हुए गिरफ्तार किया है। पूछताछ में आरोपियों से इलाके में हुई चोरी और नकबजनी की कुल 4 वारदातों का खुलासा हुआ है।

बदमाश दोबारा घटनाओं को अंजाम को कोशिश कर रहे थे, उसके पहले ही पुलिस ने उन्हें दबोच लिया है। प्रारंभिक पूछताछ में पता चला कि है बदमाश तमिलनाडु, दिल्ली, राजस्थान और हरियाणा में भी चोरी और नकबजनी की घटनाओं को अंजाम दे चुके हैं।

थाना प्रभारी महेश लिल्हारे ने बताया कि बीती चार और पांच जुलाई को न्यू मिनाल रेसीडेंसी में रहने वाले एक बिजनेसमैन समेत तीन सूने मकानों में चोरी और नकबजनी की घटनाएं सामने आई थी। बिजनेसमैन इन दिनों अमेरिका गए हुए हैं। पुलिस द्वारा लगातार इलाके में जनसंवाद तथा अनाउंसमेंट के माध्यम से जनता को जागरूक किया जाता है कि बाहर जाते समय वह घर पर जेवरात और कीमत सामान नहीं रखें, जिसके कारण इन वारदातों में बदमाशों को ज्यादा सामान हाथ नहीं लगा था। उसके बाद लोगों को इलाके मे संदिग्ध नजर आने वालों पर नजर रखने और पुलिस को सूचना देने की अपील की गई थी। मकानों की रैकी करते पकड़ाए बदमाश मंगलवार को सूचना मिली कि कुछ संदेही युवक न्यू मिनाल रेसीडेंसी इलाके में सूने मकानों में ताकाझांकी कर रहे हैं। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने दो संदेहियों को दबोच लिया।

तीन सप्ताह पहले आए थे भोपाल

पूछताछ करने पर उन्होंने अपने नाम रामनिवास बागड़ी (26) निवासी ग्राम, कुसायता थाना सावर जिला केकड़ी राजस्थान तथा दुगार्लाल प्रधान बागड़ी (23) निवासी ग्राम, लच्छीपुरा थाना सावर जिला केकड़ी राजस्थान बताए। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि तीन सप्ताह पहले वह भोपाल आए थे। रेलवे स्टेशन से आटो में सवार होकर न्यू मिनाल रेसीडेंसी पहुंचे। यहां तीन स्थानों पर चोरी की घटनाओं को अंजाम दिया था, लेकिन उन्हें चांदी के ब्रेसलेट, चार जोड़ी चांदी की बिछिया और करीब दस हजार रुपए नकदी मिले थे। उसके एक महीने पहले बिजली नगर पावर हाउस के पास एक मकान से जेवरात और करीब एक साल पहले चेतक ब्रिज गोविंदपुरा स्थित एक मकान में वारदात को अंजाम दिया था। दूसरे राज्यों में कर चुके हैं वारदातें दोनों बदमाशों ने पुलिस को बताया कि वह राजस्थान और मध्यप्रदेश के अलावा दिल्ली, तमिलनाडु, हरियाणा, चंडीगढ़ समेत अन्य राज्यों और शहरों में चोरी और नकबजनी की घटनाओं को अंजाम दे चुके हैं. भोपाल आकर उन्होंने 6 मकानों की रैकी पूरी कर ली थी, लेकिन वारदात से पहले ही पुलिस

ट्रेन दुर्घटना में घायल बाघ शावक की मौत, दूसरे की हालत गंभीर

सिटी चीफ भोपाल।

मध्य प्रदेश के बुधनी के मिडघाट खंड पर रेल दुर्घटना में घायल एक और शावक की मौत हो गई। दो शावकों को ट्रेन से रेस्क्यू कर भोपाल के वन विहार राष्ट्रीय उद्यान में लाया गया था। घायल दूसरे शावक की हालत भी गंभीर बताई जा रही है। 16 जुलाई को मिडघाट रेलवे लाइन, बुधनी से ट्रेन दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल दो बाघ शावकों को रेस्क्यू कर वन विहार राष्ट्रीय उद्यान लाया गया था। इनमें से एक बाघ शावक, जो रेस्क्यू के दिन से ही भोजन नहीं ले रहा था, की मौत हो गई।

17 जुलाई को वन विहार के

वन्यप्राणी चिकित्सक और अन्य चिकित्सक दल द्वारा दोनों बाघ शावकों का विस्तृत स्वास्थ्य परीक्षण और एक्सरे किया गया। विशेषज्ञों से परामर्श के बाद सतत उपचार किया जा रहा था। हालांकि, दूसरे घायल बाघ शावक की स्थिति भी नाजुक बनी हुई है। वह अल्प मात्रा में भोजन ले रहा है और सतत निगरानी में रखा गया है, लेकिन उसकी स्थिति में भी कोई सुधार नहीं देखा जा रहा है और उसका पिछला हिस्सा भी काम नहीं कर रहा है। मृत बाघ शावक का पोस्टमार्टम वन विहार राष्ट्रीय उद्यान के वन्यप्राणी चिकित्सक डॉ. अतुल गुप्ता, वाइल्ड लाइफ एसओएस के डॉ. रजत कुलकर्णी और वाइल्ड लाइफ कंजर्वेशन ट्रस्ट के डॉ. प्रशांत देशमुख द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। पोस्टमार्टम के बाद, मृत बाघ शावक का वन विहार राष्ट्रीय उद्यान में वरिष्ठ अधिकारियों और अन्य उपस्थित कर्मचारियों की मौजूदगी में नियमानुसार दाह संस्कार कर दिया गया।

कंपनी द्वारा फर्जी दस्तावेज बनाकर उत्पाद विदेश भेजे जाने की मिली थी शिकायत

जयश्री गायत्री फूड्स कंपनी के ठिकानों पर ईओडब्ल्यू का छापा

सिटी चीफ भोपाल।

आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ (ईओडब्ल्यू) की भोपाल इकाई ने बुधवार सुबह जयश्री गायत्री फूड प्रोडक्ट लिमिटेड के सीहोर स्थित कारखाने और इससे जुड़े अन्य चार ठिकानों पर औचक दबिश दी। ईओडब्ल्यू को शिकायत मिली थी कि कंपनी द्वारा फर्जी दस्तावेज बनाकर उत्पाद विदेश भेजे जाते हैं। 27 देशों में उत्पाद भेजने की जानकारी मिली थी। फर्जी दस्तावेजों में उत्पाद की गुणवत्ता से जुड़े प्रमाण पत्र भी शामिल हैं। कंपनी के मालिक के भोपाल स्थित आवास और कार्यालय में भी ईओडब्ल्यू ने छापेमारी की है। जांच अभी भी जारी है।

ईओडब्ल्यू के अधिकारियों ने बताया कि कारखाने में छापे के दौरान ऐसे रासायनिक पदार्थ भी मिले हैं, जिनका उपयोग नहीं किया जा सकता है। ऐसे में आशंका है कि कहीं इनका उपयोग खाद्य उत्पाद बनाने के लिए तो नहीं किया जा रहा था। यह कंपनी पनीर सहित अधिकतर मिल्क उत्पाद बनाती है।

पहले भी विवादों में रही है कंपनी

यह कंपनी पिछले दो-ढाई वर्ष से विवादों में रही है। जनवरी 2022 में मप्र प्रदूषण नियंत्रण मंडल ने मानक पूरा नहीं करने के कारण कारखाने को बंद करने के निर्देश दिए थे। दूषित पानी का निपटान ठीक से नहीं होने और इस पानी के उपचार के लिए परिसर के बाहर प्लांट नहीं बनाने के लिए मंडल ने यह कार्रवाई की थी। इसके बाद मार्च 2022 में पाइप लाइन बिछाने के लिए दो किमी तक सड़क खोदने के कारण सीहोर कलेक्टर ने एफआईआर दर्ज कराई थी। जून 2022 में आयकर विभाग की टीम ने भी छापा मारा था। इसके बाद मार्च 2023 में खाद्य सुरक्षा विभाग ने पनीर में पाम आइल की मिलावट के संदेह में छापामार कार्रवाई की। यहां कोलकाता से आया पाम आइल से भरा टैंकर जब्त किया गया था।

सम्पादकीय

कार चालक सड़क पर कार क्यों चला रहा था?

सचमुच यह मनुष्य और मनुष्यता का पाषाणयुग है। सरकारों, राजनेताओं, अफसरों और व्यापारियों का लेनदेन युग। देश के युवा पिस रहे हैं। दिल्ली के कोचिंग हादसे में एक कार चालक को दोषी ठहराया गया। सरकार का कहना है कि रोड पर पानी भरा था, एक कार निकली इस वजह से वह पानी हिल गया और बेसमेंट में चला गया। दोषी न सरकार है न कोचिंग सेंटर मालिक बल्कि दोषी है कार चालक कि वह सड़क पर कार क्यों चला रहा था।

सरकार कोचिंग इंस्टीट्यूट्स को रेगुलेट करने के लिए कानूनी लाए और कोचिंग में पढ़ने वाले स्टूडेंट्स से भी इस पर सुझाव लिए जाएं। रेगुलेटर द्वारा कोचिंग संस्थानों की फीस पर भी नजर रखी जाए। बेसमेंट में तैयारी करवाने वाले कोचिंग सेंटर के मालिक को पता नहीं था कि बेसमेंट में पानी भरने की समस्या आ सकती है। एक कोचिंग की बेसमेंट में नौजवान पढ़ाई कर रहे थे, जब अचानक घुसे तेज पानी ने मौत का रूप धर लिया। बहुत से लोगों ने भागकर जान बचाई, लेकिन तीन नौजवान इस हादसे में मारे गए। कुछ दिन पहले दिल्ली के ही एक इलाके में बारिश के दौरान करंट दौड़ने से एक नौजवान की मौत हो गई थी। इन दोनों घटनाओं ने इस तरफ ध्यान खींचा कि देश के अलग-अलग इलाकों से राजधानी दिल्ली में आए स्टूडेंट किन हालात में जीवन बसर कर रहे हैं? दिल्ली ही नहीं देशभर के सभी कोचिंग सेंटर कोरे हवाबाजी है। कितने दूध के धुले हुए हैं। यह बात सिर्फ इस तथ्य से साफ हो जाती है कि आपके पास बेसमेंट में कोचिंग चलाने का कोई परमिट नहीं है, फिर भी आप बेसमेंट में कोचिंग चला रहे हैं। नॉर्म्स साफ नहीं हैं, और आपके पास एनओसी नहीं हैं इसका मतलब कदापि यह नहीं है कि आप खुद के नियम बना लो। एथिक्स कहती कि व्यक्तिगत नैतिकता और प्रशासनिक नैतिकता के बीच में अस्पष्टता होने पर एक जिम्मेदार व्यक्ति को प्रशासनिक नैतिकता को ध्यान में रखकर निर्णय लेना चाहिए। कहां गया यह ज्ञान?

जिस कोचिंग में घटना हुई उसमें तो सिर्फ 30 बच्चे बेसमेंट में बैठे थे। अन्य कोचिंग में तो 2000-2500 बच्चे बेसमेंट में बैठते हैं। यही घटना अगर वहां होती और बच्चे कोचिंग में होते तो क्या होता। सचमुच यह मनुष्य और मनुष्यता का पाषाणयुग है। सरकारों, राजनेताओं, अफसरों और व्यापारियों का लेनदेन युग। देश के युवा पिस रहे हैं। इस पूरे प्रकरण में एक कार चालक को दोषी ठहराया गया। सरकार का कहना है कि रोड पर पानी भरा था, एक कार निकली इस वजह से वह पानी हिल गया और बेसमेंट में चला गया। दोषी न सरकार है न कोचिंग सेंटर मालिक बल्कि दोषी है कार चालक कि वह सड़क पर कार क्यों चला रहा था। यह है हमारी कानून व्यवस्था और यह है हमारी न्याय व्यवस्था। इस घटना ने भारत की राजशाही, ब्यूरोक्रेसी, मीडिया और जूडीशियरी सबको एक साथ निर्वस्त्र कर दिया है। यहां एक आम आदमी, एक आम युवा की जान की कीमत शून्य होती है। सब सो रहे हैं और अंधेर नगरी चौपट राजा की भांति जब कभी ऐसी कोई घटना होती है तो जनता में से ही किसी एक को पकड़ कर सजा सुना दी जाती है। गनीमत है बच्चों के पैरेंट्स को जेल नहीं भेजा कि उन्होंने बच्चों को पढ़ाई के लिए क्यों भेजा। न वे पढ़ने भेजते न मृत्यु होती।

आखिर क्यों देशभर में कोचिंग की जरूरत है? क्यों हम इन होनहार बच्चों के लिए ढंग के हॉस्टल नहीं बनवा सकते। आखिर कितना खर्च होगा या कितने संसाधन लगेंगे इसमें? ये बच्चे हमारे देश के भविष्य नियंता हैं लेकिन हमारी प्राथमिकता में तभी आएंगे जब ये किसी बड़े पद पर पहुंच जाएंगे।

विडंबना यह है कि यही सिस्टम इन्हीं बच्चों को बड़े पदों पर पहुंचने के बाद अपनी असंवेदनशीलता में घेर लेता है जहां ये अपना स्वयं का संघर्ष तुरत फुरत भूल जाते हैं। प्रशासन को मैनेज करने वाले आईएएस अफसरों में से आधे से अधिक ने 10 -15 वर्ष पहले इन्ही बच्चों की जिंदगी जी होगी। लेकिन, फिर भी वे इन बच्चों के लिए कुछ कर पाने में या तो समर्थ नहीं हैं, या इसमें इनकी रुचि नहीं है, उनका स्वयं का अतीत भी उनकी प्राथमिकता तय नहीं कर पा रहा है।

आखिर हत्यारी कोचिंग की जरूरत क्या है? सरकार और कोचिंग संस्थान वालो को केवल पैसा चाहिए और कुछ नहीं कोई मारे या जीए उससे उनका कोई लेना देना नहीं है। कई दूसरे कोचिंग सेंटर भी बेसमेंट में चला रहे हैं जानलेवा लाइब्रेरी। अगर ऐसे गैर कानूनी तरीके से कोचिंग सेंटर चल रहे हैं तो उस पर कार्रवाई हो और अधिकारी पर भी कार्रवाई हो। ऐसे समय में हमें आरोप-प्रत्यारोप नहीं करना चाहिए बल्कि कार्रवाई करनी चाहिए।

सरकार कोचिंग इंस्टीट्यूट्स को रेगुलेट करने के लिए कानूनी लाए और कोचिंग में पढ़ने वाले स्टूडेंट्स से भी इस पर सुझाव लिया जाए। रेगुलेटर द्वारा कोचिंग संस्थानों की फीस पर भी नजर रखी जाए। किसी जमाने में जीनियस से जीनियस स्टूडेंट के भी 90त्न से ऊपर नंबर नहीं आते थे, आज साधारण बुद्धि वाला भी 99त्न नंबर ले आता है, यह सब खेल कोचिंग सेंटर ओर प्राइवेट स्कूलों वालों का है, पेपर लीक, परीक्षा सेंटर और रिजल्ट बनाने वालों से इनकी मिली भगत रहती है। कोचिंग सेंटर के कारनामों का काला चिट्ठा देश के सामने आना चाहिए।

नेताओं की महिला विरोधी मानसिकता

हाल ही में नीतीश कुमार ने महिला विधायक रेखा देवी को अपमानित करते हुए यह कह दिया कि 'तुम महिला हो, कुछ नहीं जानती हो।' नीतीश कुमार सरकारें बना सकते हैं, बिगाड़ सकते हैं, दलबदल कर सकते हैं, पर याद रखिए महिला इस देश की राष्ट्रपति हैं। प्रधानमंत्री बन चुकी हैं। सीमा की रक्षा के लिए वीर सैनिक बेटियां राफेल उड़ा रही हैं। प्रशासनिक सेवाओं में और पुलिस सेवाओं में अपनी योग्यता से नाम कमा रही हैं। सीमाओं की रक्षा कुशलता से कर रही हैं। सुप्रीम कोर्ट की जज और वकील बनने वाली भी अगर महिलाएं कुछ नहीं जानतीं, तो क्या सब कुछ नीतीश कुमार जानते हैं, क्योंकि वे पुरुष हैं?

हाल ही में नीतीश कुमार ने महिला विधायक रेखा देवी को अपमानित करते हुए यह कह दिया कि 'तुम महिला हो, कुछ नहीं जानती हो।' इससे पहले भी कई बार अपमानजनक शब्दों का प्रयोग किया और एक बार तो विधानसभा में ऐसी व्याख्या कर दी जिसमें शर्म को भी शर्म आ गई। मेरा नीतीश से यह कहना है कि आप मुख्यमंत्री हैं, ठीक है। आप सरकारें बना सकते हैं, बिगाड़ सकते हैं, दलबदल कर सकते हैं, पर याद रखिए महिला इस देश की राष्ट्रपति हैं। प्रधानमंत्री बन चुकी हैं। सीमा की रक्षा के लिए वीर सैनिक बेटियां राफेल उड़ा रही हैं। प्रशासनिक सेवाओं में और पुलिस सेवाओं में अपनी योग्यता से नाम कमा रही हैं। सीमाओं की रक्षा कुशलता से कर रही हैं। सुप्रीम कोर्ट की जज और वकील बनने वाली भी अगर महिलाएं कुछ नहीं जानतीं, तो क्या सब कुछ नीतीश कुमार जानते हैं, क्योंकि वे पुरुष हैं? नीतीश ने विश्वभर की महिलाओं का अपमान किया है। नीतीश सरकारें बना कर गिरा सकते होंगे, पर जो काम इस देश की महिलाओं ने कर दिया है, वे आज तक नहीं कर सके। मुझे लगता है नीतीश कुमार से ज्यादा उन विधायकों का दोष है जो अपने मुख्यमंत्री की अनुचित बातें सुनते, उसके पक्ष के तालियां लगाते और उसका समर्थन करते हैं।

नीतीश कुमार दुनियाभर की महिलाओं से माफी मांगें और सबसे पहले उस विधायक से, जिसे महिला होने के कारण यह कह दिया कि महिला हो, कुछ नहीं जानती हो। नीतीश कुमार उस पुरुष प्रधान मानसिकता के शिकार हैं जो हमेशा महिलाओं को नीचा दिखाती है। वे असंवैधानिक भाषा बोलते हैं, फिर भी संविधान की शपथ लेकर मुख्यमंत्री बने हैं। इस पर राष्ट्रीय महिला आयोग खामोश क्यों है?

नीतीश को नोटिस भेजकर पेश होने के लिए क्यों नहीं कह दिया? यद्यपि सदियों से ही धार्मिक, सामाजिक और राजनीतिक क्षेत्र में महिलाओं को वह स्थान नहीं मिला जो उनका अधिकार है। स्वतंत्रता संग्राम में महिलाओं ने अतुलनीय साहस का परिचय देते हुए पहले मुगलों के और फिर अंग्रेजों के छक्के छुड़ाए। बहुत पुरानी बात नहीं, जब नेताजी की सेना में रानी झांसी ब्रिगेड बनी तो उस समय की युवती लक्ष्मी सहगल ने कैप्टन के रूप में आजाद हिंद फौज में ऐतिहासिक वीरता दिखाते हुए काम किया और महिला बल को संगठित किया।

रानी झांसी के जौहर कौन नहीं जानता- खूब लड़ी मर्दानी वह तो झांसी वाली रानी थी। महारानी अहिल्या बाई की वीरता, धीरता और निष्पक्षता का साम्राज्य तथा शत्रुओं से लोहा लेने की गाथाएं देश में, विशेषकर मध्यप्रदेश में घर-घर गूंज रही हैं। मां जीजा बाई भी तो भारत के वीरों का कंठहार है। शिवाजी का निर्माण, मानसिक, आत्मिक और बौद्धिक रूप से उन्होंने ही किया। एक वीर पुत्र देश को दिया, जो धर्म के साथ ही देश की बेटियों की भी रक्षा करे, चाहे वह दुश्मन की भी क्यों न हो। असंख्य गाथाएं हैं और खासकर बिहार की वीर बालिकाओं का इतिहास संभवत: नीतीश नहीं जानते, उनको जिन्होंने भारत छोड़ो आंदोलन में अंग्रेज की गोलियों का भी सामना किया था। असम की कनकलता समेत और पंजाब की दुर्गा भाभी समेत महिलाओं के बुद्धि शौर्य और रण शौर्य की असंख्य गाथाएं हैं, पर अपनी अल्पबुद्धि और सत्ता के बल पर नीतीश ने महिलाओं का घोर अपमान पहले भी किया है और अब भी कर दिया है। नीतीश को बताना होगा कि क्या महिला है, इसलिए कुछ नहीं जानती? यह किस दुष्प्रभाव में कहा? वैसे भी भारत की पुरुष मानसिकता जानते हुए या अनभिज्ञता में महिलाओं का अपमान करने में कोई कसर नहीं छोड़ती। देश के किसी भी वर्ग का कोई विरला व्यक्ति ही ऐसा होगा, जो गाली निकालते हुए बेटियों, बहनों का अपमान नहीं करता। बड़े से बड़ा अधिकारी भी, मंत्री भी, सांसद और विधायक भी गाली निकालते हैं। यह सीधा-सीधा महिलाओं का अपमान है। केवल देश की बात नहीं, दुनियाभर में भी चर्चा है कि भारत में लिंग भेद बहुत ज्यादा है। वर्ल्ड इकोनामिक फोरम ने कुछ समय पहले ही ग्लोबल जैंडर गैप रिपोर्ट 2024 पब्लिश की है। इसमें 146 देशों में से भारत जैंडर गैप के मामले में 129वें स्थान पर पहुंच गया है। यह अत्यंत दुखद है। महिलाओं के शैक्षिक और राजनीतिक सशक्तिकरण में भी गिरावट आई है। संसद में महिलाओं की भागीदारी केवल 17.2 प्रतिशत है। यह दुख की बात है कि भारत उन देशों में शामिल है जहां लैंगिक समानता हर क्षेत्र में सबसे कम है।

भारत में पुरुष जहां 100 रुपए औसतन कमाते हैं, वहीं महिला 39.8 रुपए कमाती है। हम अपने आसपास के वातावरण में भी देखते हैं कि बहुत सी लड़कियां, जिन्होंने स्कूल के पश्चात आगे शिक्षा प्राप्त नहीं की, उनका यही कहना होता है कि आर्थिक स्थिति सही न होने के कारण माता-पिता ने पढ़ाने से रोक लिया। बहुत सी ऐसी भी मिलेंगी जो कहेंगी कि विवाह से पहले वे कोई न कोई नौकरी आर्थिक मजबूती के लिए करती थीं, पर शादी के बाद छुड़वा दी गई। सच यह है कि हिंदुस्तान की आधी से ज्यादा औरतें, संभवत: असलियत ज्यादा ही हो, हर दिन पिटाई का शिकार होती हैं। गोवा के स्व. मुख्यमंत्री और भारत के पूर्व रक्षा मंत्री मनोहर परिकर, जो बहुत ही नेक और शालीन व्यक्ति थे, उन्होंने भी यह कहा था कि मैं डरने लगा हूं, क्योंकि अब लड़कियां भी शराब पीने लगी हैं। सहने की क्षमता समाप्त हो रही है, पर उन्होंने यह कभी नहीं बताया कि गोवा में दुकान दुकान पर शराब बेची जाती है। दमन के समुद्र तट पर तो जिस तरह रेवड़ियां-मूंगफली बिकती हैं, इस तरह शराब बेची जाती है, पर न किसी को चिंता है और न पुरुष समाज शराब का आदी होकर महिलाओं पर अत्याचार करता है, इसकी किसी को चिंता है। वैसे राजनीतिक क्षेत्र के जो दिग्गज हैं, वे महिलाओं के विरुद्ध आक्षेप करते ही रहते हैं। समाजवादी पार्टी प्रमुख स्व. मुलायम सिंह यादव ने एक रैली में बलात्कार जैसा अपराध करने वालों के लिए जो कुछ कहा, वह लिखने योग्य नहीं, पर महिलाओं का सीधा-सीधा अपमान किया। शरद यादव महिलाओं पर कई बार अभद्र टिप्पणी कर चुके हैं। उन्होंने साउथ की महिलाओं को लेकर जो कहा था, वैसे तो वह बार-बार लिखने योग्य नहीं, पर दक्षिण भारत की महिलाओं के विषय में उनके शब्द, उनकी केवल शारीरिक सुंदरता का चित्रण किसी को अच्छा नहीं लगा, न संसद में न बाहर।

भाजपा नेता कैलाश विजयवर्गीय ने भी यद्यपि सद्भावना से ही कहा, पर हर समय महिलाओं के लिए उपदेश इन राजनेताओं की आदत बन गई है। उन्होंने होली मिलन के कार्यक्रम में यह कहा- महिलाओं को ऐसा श्रृंगार करना चाहिए जिससे श्रद्धा पैदा हो, न कि उत्तेजना। कभी-कभी महिलाएं ऐसा श्रृंगार करती हैं जिससे पुरुष उत्तेजित हो जाते हैं। बेहतर है कि महिलाएं लक्ष्मण रेखा में रहें, पर पुरुषों के लिए किसी मर्यादा रेखा का कोई वर्णन नहीं करता। छत्तीसगढ़ के कोरबा से भाजपा सांसद बंसीलाल मेहतो ने राज्य की महिलाओं के लिए अत्यंत ही आपत्तिजनक शब्दों का प्रयोग किया। उन्होंने छत्तीसगढ़ के खेल मंत्री भैया लाल राजवाड़े का नाम लेते हुए कहा था कि वे अकसर कहते हैं कि अब बालाओं की जरूरत मुंबई और कोलकाता से नहीं है, कोरबा की टूरी और छत्तीसगढ़ की लड़कियां टनाटन हो गई हैं। हरियाणा के खाप पंचायत नेता जितेंद्र छत्तर ने भी बलात्कार की घटनाओं पर चिंता करते हुए यह कहा था कि चाउमिन खाने से शरीर के हार्मोंस में असंतुलन पैदा होता है। इसी वजह से इस तरह के कार्य करने का मन करता है। राज्यसभा सांसद सुब्रह्मण्यम स्वामी ने भी एक बार प्रियंका गांधी के लिए अवांछित शब्द कहे थे। इस तरह के बयानों का संज्ञान लिया जाना चाहिए।

संविधान की नौवीं अनुसूची और आरक्षण, लेकिन क्या इससे होगा समस्या का समाधान

सुप्रीम कोर्ट नेआरक्षण संबंधी मामले में पटना हाईकोर्ट के आदेश पर रोक लगाने से इन्कार कर दिया है।बिहार सरकार ने शीर्ष अदालतमें दावा किया था कि राज्य द्वारा किए गए जाति सर्वेक्षण ने 1992 के इंद्रा साहनी फैसले में शीर्ष अदालत द्वारा निर्धारित आरक्षण पर 50 फीसदी की सीमा को तोड़ने के लिए आवश्यक सामाजिक परीक्षण मापदंडों को पर्याप्त रूप से संतुष्ट किया है।

पटना हाईकोर्ट ने 20 जून को बिहार पदों और सेवाओं में रिक्तियों के आरक्षण (अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़े वर्गों के लिए) संशोधन अधिनियम, 2023 और बिहार आरक्षण (शैक्षणिक संस्थानों में प्रवेश में) संशोधन अधिनियम, 2023 को चुनौती देने वाली याचिकाओं को स्वीकार कर लिया था और दोनों कानूनों को भारत के संविधान के अनुच्छेद 14 (समानता), 15 (भेदभाव के खिलाफ अधिकार) और 16 (रोजगार में भेदभाव के खिलाफ अधिकार) का उल्लंघन माना था। संविधान के अनुच्छेद 15(4) में, 'नागरिकों के किसी सामाजिक और शैक्षणिक रूप से पिछड़े वर्ग या अनुसूचित जातियों वअनुसूचित जनजातियों की उन्नति के लिए विशेष प्रावधान' करने का अधिकार दिया। अनुच्छेद 15 और 16 में महत्वपूर्ण शब्द %केवल% है-जिसका अर्थ है कि यदि कोई धार्मिक, नस्लीय या जाति समूह अनुच्छेद 46 के तहत 'कमजोर वर्ग' का गठन करता है, तो वह अपनी उन्नति के लिए विशेष प्रावधानों का हकदार होगा। इस विशेष प्रावधान का अर्थ मुख्यत: आरक्षण है। देश में आरक्षण को लेकर अक्सर विवाद होता रहा है। इसलिए कई राजनीतिक दल आरक्षण पर बार-बार होने वाले विवाद को हमेशा के लिए खत्म करने के लिए आरक्षण संबंधी सभी कानूनों को संविधान की नौवीं अनुसूची में शामिल करने की मांग करते रहे हैं। बिहार में 65 फीसदीआरक्षण, ऐतिहासिक इंद्रा साहनी बनाम भारत संघ के फैसले में शीर्ष अदालत द्वारा निर्धारित 50 प्रतिशत की सीमा का उल्लंघन करता है। हालांकि, किसी कानून को नौवीं अनुसूची में रखने से उसे न्यायिक जांच से बचाया जा सकता है। तमिलनाडु पिछड़ा वर्ग, अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (शैक्षणिक संस्थानों में सीटों का आरक्षण और राज्य के अधीन सेवाओं में नियुक्तियों या पदों का आरक्षण) अधिनियम, 1993, कॉलेजों और राज्य सरकार की नौकरियों में 69 प्रतिशत सीटें आरक्षित करता है। तमिलनाडु एक ऐसा राज्य है, जहां पर सबसे अधिक 69 प्रतिशत आरक्षण है और यह व्यवस्था संविधान की नौवीं अनुसूची का हिस्सा है। 20वीं सदी की शुरुआत में उभरा द्रविड़ आंदोलन प्रभुतासंपन्न समुदाय के खिलाफ शक्तिशाली भूमिधारक वर्गों का था, जो सत्ता के ज्यादातरपदों पर काबिज थे। पूर्व मुख्यमंत्री एमजी रामचंद्रन को लगा कि आरक्षण आर्थिक आधार पर होना चाहिए, पर तत्कालीन मुख्यमंत्री जयललिता ने विभिन्न दलोंके साथ मिलकर तत्कालीन प्रधानमंत्री पीवी नरसिम्हा राव से मिलने के लिए एक प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किया और अंतत: आरक्षण प्रावधान को नौवीं अनुसूची में शामिल करवाया। हालांकि वर्ष 2007 में नौवीं अनुसूची को भी चुनौती दी गई (आई आर कोएलो बनाम तमिलनाडु राज्य), लेकिन सर्वोच्च न्यायालय ने सर्वसम्मति से नौ न्यायाधीशों के आधार पर फैसला सुनाया कि नौवीं अनुसूची के तहत रखे गए कानूनों को मौलिक अधिकारों के उल्लंघन के आधार पर चुनौती नहीं दी जा सकती, लेकिन उन्हें संविधान के मूल ढांचे का उल्लंघन करने के आधार पर चुनौती दी जा सकती है। नौवीं अनुसूची में केंद्रीय और राज्य कानूनों की सूची है, जिन्हें अदालतों में चुनौती नहीं दी जा सकती। वर्तमान में 284 कानून न्यायिक समीक्षा से सुरक्षित हैं। वर्ष 2023 में छत्तीसगढ़ सरकार ने 58 प्रतिशत आरक्षण का दायरा बढ़ाते हुए राज्य में 72 प्रतिशत का दायरा बढ़ाया था। इस पर हाईकोर्ट ने रोक लगा दी। इसके बाद छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर नौकरियों और शैक्षणिक संस्थानों में उच्च कोटा प्रदान करने वाले दो संशोधन विधेयकों को संविधान की नौवीं अनुसूची में शामिल करने की मांग की है। ऐसे ही झारखंड सरकार ने विधानसभा में एक विधेयक पारित किया था, जो राज्य में रिक्त सरकारी पदों और सेवाओं में आरक्षण बढ़ाकर 77 प्रतिशत करने से संबंधित था। हालांकि, यह भी विधेयक लागू नहीं हो सका और झारखंड के मुख्यमंत्री ने केंद्र से सिफारिश कि इस विधेयक को संविधान की नौवीं अनुसूची में शामिल करें। आर्थिक आधार पर आरक्षण लागू होने के बाद आरक्षण नीतियों पर एक नई तरह की बहस शुरू हो गई है, जैसे आरक्षण का दायरा खत्म करना और ईडब्ल्यूएस को जाति तटस्थ बनाना तथा सभी जातियों व वर्गों को इसमें शामिल करना आदि। अगर ऐसा नहीं हुआ, तो देश में कई तरह के सामाजिक व राजनीतिक संघर्ष पैदा हो जाएंगे, इसलिए केंद्र सरकार को इस विषय पर सोचने की जरूरत है।

जीईपी से पता चलेगा विकास की दौड़ में कितना खोया... कितना जोड़ा

हाल के समय में देश और दुनिया में करीब 86 फीसदी लोगों ने प्रचंड गर्मी को झेला। इस गर्मी के पीछे समुद्र का बढ़ता तापमान और उसके पीछे ग्लोबल वार्मिंग सबसे बड़ा कारक है। बीती 22 जुलाई अब तक का दुनिया का सबसे गर्म दिन था। समस्या यह है कि सही समय पर मौसम के मिजाज का पता नहीं चलता। और सबसे बड़ी बात यह है कि कब कहां किस रूप में बारिश हो जाए और कहां बाढ़ आ जाए और कब तूफान घेर ले, अब यह सब कुछ नियंत्रण से बाहर चला गया है।

दरअसल, जीडीपी की दौड़ में कोई भी देश पीछे नहीं छूटना चाहता। जाहिर है कि जब-जब प्रकृति और पर्यावरण के सवाल खड़े होते हैं, तो सभी देशों का यही मानना होता है कि हम अपने हिस्से का विकास कैसे त्याग दें, जब दुनिया के बड़े-बड़े देश कहीं बेहतर स्थिति में खड़े हैं। विकास अपनी जगह है, लेकिन समस्या यह है कि देश-दुनिया की सरकारों ने कभी भी ऐसा लेखा-जोखा नहीं दिया, जिससे पता चले कि कितना खोया और कितना जोड़ा। उल्लेखनीय है कि हम सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की तर्ज पर सकल पर्यावरण उत्पाद (जीईपी) जैसे सूचकांक को लाकर समझ सकते हैं कि हमको पर्यावरण को सुरक्षित करने की दिशा में अभी कितना कार्य करना चाहिए। अमेरिका के एक मिस्टर साइमन थे, जिन्होंने 1935 से 40 के बीच में जीडीपी का विचार दिया था और उनका मानना यह था किआर्थिक वृद्धितथा विकास को मापने का बेहतर मापदंड जीडीपी है। लेकिन उन्होंने यह भी कहा था कि इसको संपूर्ण सूचक न माना जाए। उनका इशारा साफ था कि जीडीपी प्रकृति के हालात की सूचक नहीं हो सकती। 2010 में एक विचार उठा कि सरकारें जंगल जोड़ने और हवा-मिट्टी-पानी को बेहतर करने के लिए भी कटिबद्धहैं और वे ऐसा करती भी हैं, लेकिन वह कितनाकर पाईं,उसका कोई सामूहिक सूचक भी नहीं है। शुरुआत में सभी ने इस मुद्दे पर रुचि दिखाई, लेकिन बाद में सब ठंडे पड़ गए। 2013 में केदारनाथ त्रासदी ने सबको झकझोर दिया, और उत्तराखंड के पर्यावरण को लेकर देश भर में चर्चाएं होने लगीं। तब राज्य केतत्कालीन मुख्यमंत्री ने जीईपी को लेकर बैठक कर इसे सरकारी स्वीकार्यता प्रदान की।शुरुआती दौर में इसके लिए एक तरफसरकार ने कमेटी बनाई, जिसमें प्रमुख शोध संस्थाओं के निदेशकों के साथ डॉ.आरके पचौरी भी थे, जो उस समय टेरी के अध्यक्ष थे। यही नहीं, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया और अखबारों खास तौर से अमर उजाला ने इसके लिए लामबंदी की। पर दुर्भाग्य से तत्कालीनमुख्यमंत्री के बदलने के बाद फिर इसमें शिथिलता आ गई।

प्रदेश अध्यक्ष के लिए अरविंद भदौरिया बने संगठन के पहले पसंद

डॉ सुमेर सिंह सोलंकी, डॉ नरोत्तम मिश्रा और विश्वास सारंग भी इस रेस में

अरविंद सिंह पवैया । सिटी चीफ ग्वालियर, हाल में ही राजस्थान व हरियाणा के भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बदल दिए गए। उसके बाद मध्यप्रदेश में भी अध्यक्ष बदलने की चर्चा शुरू हो गई है। मौजूदा भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा को केंद्र में सत्ता या संगठन में बड़ा पद दिया जाना लगभग तय है। यही कारण है कि भाजपा के नए अध्यक्ष के लिए दावेदारों में अपनी अपनी चौसर बिछा ली है।प्रदेश अध्यक्ष के लिए फिलहाल वरिष्ठ नेता व पूर्व मंत्री अरविंद भदौरिया आरएसएस व भाजपा संगठन कि पहली पसंद बनकर उभरे है । उनको पूर्व मुख्यमंत्री व केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान व विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर का भी समर्थन मिल गया है। इसके अलावा राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री शिवप्रकाश, क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जामवाल व प्रदेश प्रभारी बनाए गए महेंद्र सिंह के साथ पार्टी की ठाकुर लाबी भी उनको अध्यक्ष बनाने के लिए पूरा जोर लगाए हुए है।

यही कारण है कि अरविंद भदौरिया का नाम अचानक से पहले नंबर पर आ गया है।भदौरिया के लिए प्लस पॉइंट यह भी है कि वह ग्वालियर ङ्क चंबल के युवा चेहरे है। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद से लंबे समय तक जुड़े रहने के कारण संघ के भी करीब है। सूत्रों के अनुसार भदौरिया के नाम पर लगभग सहमति बन गयी है। उनका प्रदेश अध्यक्ष बनना तय माना जा रहा है।

भदौरिया का नाम पहले नंबरपर आने से अब तक प्रदेश

अध्यक्ष की दौड़ में पहले नंबर पर चल रहे राज्यसभा सांसद सुमेर सिह सोलंकी का नाम दूसरे नंबर पर आ गया है। सुमेर सिंह सोलंकी राज्यसभा सांसद है और दिल्ली की पसंद भी है । आदिवासी नेता होने के साथ साथ इन्हें संघ का भी समर्थन प्राप्त है। लेकिन संघ भदौरिया कों पहले नंबर पर लेकर चल रहा है। सूत्रों का कहना है कि मुख्यमंत्री ओबीसी वर्ग से लाने के बाद संगठन एक आदिवासी नेता को प्रदेश संगठन की कमान दे सकता है ।

इसका एक कारण भाजपा का आदिवासी वर्ग में घटता जनाधार है। विधानसभा चुनाव में भाजपा को आदिवासी सीटों पर बड़ा नुकसान उठाना पड़ा था। भाजपा अपने आदिवासी वोट बैंक को फिर से पाने के लिए यह दांव खेल सकती है। हालांकि लोकसभा व विधानसभा चुनाव के बाद फिलहाल संगठन को यह करना मजबूरी नही है।

सुमेर सिंह सोलंकी के बाद जिनका नाम आता है वह है डॉ नरोत्तम मिश्रा । उनका नाम भी अध्यक्ष की दौड़ में बना हुआ है। भाजपा न्यू जोइनिग टोली के संयोजक होने के नाते जिस तरह लोकसभा चुनाव से पूर्व उन्होंने लाखो काँग्रेस कार्यकर्ताओ को भाजपा में लाकर एक रिकॉर्ड बनाया उसने वी.डी. शर्मा का कद बढ़ा..संगठन के शीर्ष नेतृत्व मे डॉ मिश्रा की छवि कुशल संगठक के रूप में और भी पुख्ता हुई है। लेकिन पार्टी द्वारा प्रदेश में डिप्टी सीएम व राजस्थान में सीएम पद ब्राह्मण को देने के कारण उनका दावा कमजोर हुआ है। बाकी संघ की पहली पसंद नही होने के कारण भी डॉ मिश्रा पिछड़ते दिख रहे है।

इस दौड़ में चौथे नंबर पर नाम आता है मंत्री विश्वास सारंग का । यह नाम चौकाने वाला जरूर है लेकिन दिल्ली में प्रदेश अध्यक्ष के लिए यह नाम भी चर्चा में आया है। सूत्रो का कहना है कि सारंग ने दिल्ली व संघ की दौड़ छोड़ गुजरात की राह पकड़ ली है। गुजरात मे मोदी जी व अमित शाह के निकट नेताओ के जरिए वह लॉबिंग करा रहे है।इसका फायदा भी उन्हें मिला है उनका नाम भी चर्चा में है।नर्सिंग घोटाले के चलते उनका दावा कमजोर हुआ है। लेकिन इसके बाद भी सारंग तगड़ी पकड़ के चलते दौड़ में बरकरार है।

वी.डी. शर्मा का कद बढ़ा– हालांकि वर्तमान प्रदेश अध्यक्ष वी ड़ी शर्मा को भी जल्द ही बड़ी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिलने वाली है। शर्मा के कामकाज से संगठन का शीर्ष नेतृत्व पूरी तरह संतुष्ट है। संघ में भी शर्मा की तगड़ी पकड़ है यह किसी से छिपा नही है। जिस तरह उनके नेतृत्व में विधानसभा चुनाव व उसके बाद लोकसभा चुनाव में भाजपा ने प्रचंड जीत दर्ज की उसके बाद शर्मा का कद दिल्ली और भी बढ़ गया है। सूत्रों का कहना है कि क्षेत्र व जाति समीकरण के चलते मोदी जी भले ही शर्मा को अपनी टीम में नही ले पाए हो लेकिन आने वाले दिनों में उन्हें सत्ता या संगठन में उन्हें महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिलेगी यह तय है। सूत्रों का कहना है कि अध्यक्ष इन चार नामो में से ही कोई बनेगा लेकिन श्री भदौरिया का दावा सबसे मजबूत है 7 अगस्त माह में कभी भी नए अध्यक्ष की घोषणा कर दी जाएगी।

पुलिस सेवा से निवृत हुए हैं लेकिन पुलिस परिवार से नहीं : सीएसपी

पांच पुलिस पदाधिकारियों के सेवानिवृति पर दी गई भावभीनी विदाई

आदित्य द्विवेदी । सिटी चीफ भिण्ड, भिण्ड जिले के विभिन्न थानों में पदस्थापित पांच पुलिस पदाधिकारियों के सेवानिवृति पर बुधवार को पुलिस लाइन भिण्ड में भव्य विदाई समारोह का आयोजन किया गया। विदाई समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में सीएसपी श्री अरुण कुमार उईके समेत अन्य सभी वरिष्ठ पुलिस पदाधिकारी उपस्थित थे। विदाई समारोह को संबोधित करते हुए सीएसपी श्री अरुण कुमार उईके ने कहा कि सेवानिवृति एक स्वभाविक प्रक्रिया है जो सरकारी सेवा में है उन्हें एक न एक दिन सेवानिवृत होना ही है। उनके द्वारा अपने सेवा काल में किए गए कार्य ही उनकी पहचान है तथा उनके द्वारा किए गए कार्य से ही उनकी पहचान लंबे समय तक लोगों के जेहन में रहती है। उन्होंने कहा कि एक सिपाही जीवन के अंतिम क्षणों तक अनुशासित और कर्तव्यनिष्ठ रहता है। सेवानिवृत्त हमारे पांचों सशक्त और कर्मठ पदाधिकारी पुलिस सेवा से निवृत हुए हैं लेकिन पुलिस परिवार से नहीं हुए हैं। आपके सभी के जीवन में कोई भी समस्या आने पर पुलिस परिवार हमेशा आपके के साथ खड़ा है। सेवानिवृत हुए पुलिस पदाधिकारियों के अच्छे स्वास्थ्य एवं लंबी उम्र की कामना सीएसपी ने की। इस मौके पर सेवानिवृत हुए सभी पदाधिकारियों को सीएसपी ने फूलमाला पहनाकर, शॉल और श्रीफल तथा प्रतीक चिह्न भेंटकर सम्मानित भी किया। ज्ञात हो कि एएसआई दिवाकर सिंह भदौरिया, 16 फरवरी 1982 में जिला पुलिस बल में भर्ती हुए तथा भिण्ड जिले के थाना गोहद, लहार, अटेर, ऊमरी, मिहोना में पदस्थ रहकर अपनी सेवाएं दी। वर्तमान में पुलिस लाईन भिण्ड में पदस्थ रहकर अपनी सेवाएं दे रहे। एएसआई शिवनारायण सिंह यादव, 20 मई 1982 में जिला पुलिस बल दुर्ग (छत्तीसगढ़) में भर्ती हुए तथा 15 अगस्त 1988 में भिण्ड स्थानांतरण होकर आए और थाना देहात, अमायन, मौ वर्तमान में थाना अजाक में अपनी सेवाएं दी। एएसआई सुरेश चन्द्र ओझा, 05 जनवरी 1984 में जिला बल देवास में भर्ती हुए भिण्ड जिले के थाना लहार, देहात, एण्डोरी, लहार वर्तमान में पुलिस लाईन भिण्ड में अपनी सेवाएं दी।

एएसआई आस्तिक सिंह भदौरिया 16 दिसम्बर 1981 में जिला पुलिस बल भिण्ड में भर्ती हुए तथा अमायन, लहार, मिहोना, दबोह, असवार, एण्डोरी वर्तमान में महिला थाना में अपनी सेवाएं दी।

हैड कांस्टेबल मलखान सिंह 13 सितम्बर 1984 में जिला पुलिस बल भिण्ड में भर्ती हुए तथा थाना मेहगांव, असवार, गोहद, गोरमी, एण्डोरी वर्तमान में थाना गोरमी में पदस्थ हैं, आज ये सभी पांचों पुलिस पदाधिकारी सेवानिवृत हुए हैं।

भोपाल से जेल एडीजी पहुंचे दमोह जेल

पेट्रोल पंप और स्वीकृत नई जेल जमीन का किया निरीक्षण...

धीरज कुमार अहीरवाल । सिटी चीफ दमोह. बुधवार दोपहर भोपाल से दमोह आए अतिरिक्त जेल महानिदेशक जेल मुख्यालय मप्र भोपाल (एडीजी) जी अखेतो सेमा ने दमोह जिला जेल, जेल पेट्रोल पंप और अथाई में स्वीकृत हुई नई जेल की जगह का निरीक्षण कर जेलर और जेल में पदस्थ अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए. इस दौरान एडीजी जी अखेतो सेमा ने सर्वप्रथम जेल का निरीक्षण किया. जेल में और भी बैरक बनाए जाने के आवश्यक निर्देश दिए. साथ ही जेल में बाउंड्री वॉल भी बनाने के निर्देश दिए हैं. इसके अलावा जेल एडीजी ने कैदियों को मिलने वाला भोजन भी चेक किया, जो अच्छा भोजन मिलने की सराहना की और भी बारीकी से जेल का निरीक्षण कर दस्तावेज चेक किए. उन्होंने जेल निरीक्षण के बाद जेल पेट्रोल पंप और अथाई मार्ग पर स्वीकृत हुई नई जेल जमीन का निरीक्षण किया. जो विशाल 25 एकड़ में नए सिरे में जेल बनाई जाएगी.नक्शा बन गया है वह भी चेक किया, साथ ही टेंडर भी लग गया है जिसका काम जल्द ही शुरू होगा. इस दौरान मानेन्द सिंह परिहार जेल अधीक्षक केंद्रीय जेल सागर, छोटेलाल प्रजापति जेल अधीक्षक जिला जेल दमोह, पेट्रोल पंप प्रभारी उप जेल अधीक्षक मनोज मिश्रा, जेल केंटीन प्रभारी सचेन्द्र यादव, आरक्षक शरद मिश्रा, रामकुमार शाक्य, रजनी प्रजापति, त्रिलोक कुर्मी व अन्य जेल स्टाफ विशेष रूप से उपस्थित रहा ।

कार्यकर्ताओ के लिए प्रेरणा है प्रभात जी - भाजपा जिलाध्यक्ष

भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं पूर्व राज्यसभा सांसद स्व प्रभात झा को भाजपा कार्यालय में दी श्रद्धांजलि

भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ शाजापुर, भारतीय जनता पार्टी के पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं पूर्व राज्यसभा सांसद प्रभात झा जी का विगत 26 तारीख को निधन हो गया था, जिनको श्रद्धांजलि देने के लिए भारतीय जनता पार्टी शाजापुर के जिला कार्यालय में एक श्रद्धांजलि सभा का आयोजन बुधवार को किया गया। भाजपा जिला मीडिया प्रभारी विजय जोशी ने जानकारी देते हुए बताया कि जिला कार्यालय पर आयोजित श्रद्धांजलि कार्यक्रम में उनके जीवन पर प्रकाश डालते हुए भाजपा जिलाध्यक्ष अशोक नायक ने कहा कि माननीय प्रभात झा जी का सम्पूर्ण जीवन पार्टी एवं समाज की सेवा में अर्पण रहा है। बिहार प्रांत के अति पिछड़े जिले सीतामढ़ी से चलकर स्वदेश समाचार पत्र में बतौर संपादक प्रभात जी ग्वालियर आये तथा ग्वालियर को ही उन्होंने अपनी कर्मभूमि बना लिया।

जिलाध्यक्ष ने कहा कि दिवंगत हो जाने के बाद जो सदा के लिये एक प्रेरक के रूप में अपनी उपस्थिति दर्ज करा जाते हैं ऐसी ही विभूति थे प्रभात जी। प्रभात जी की अद्भुत लेखन एवं वाक शैली को देखते हुवे उन्हें भारतीय जनता पार्टी का प्रदेश मीडिया प्रभारी बनाया गया था तथा यहीं से उन्होंने अपनी संगठन में उपस्थित दर्ज कराई एवं विभिन्न सांगठनिक पदों पर कार्य किया। एक कुशल संगठक के साथ-साथ प्रभात जी सरल स्वागत के धनी व्यक्ति थे वो मंडल स्तर तक के कार्यकर्ताओं से सम्पर्क में रहते थे तथा उनसे पत्राचार किया करते थे। एक ऐसी महान विभूति जिसने पार्टी एवं संगठन के लिये अपना सर्वस्व न्यौछावर कर दिया उसको हमने खो दिया है। उनके दिखाए सद्मार्ग एवं उनके सिद्धांतों पर हम सदा चलते रहें यही हमारी तरफ से उनके लिये सच्ची श्रद्धांजलि होगी। प्रभात जी के कार्यकाल को याद करते हुए विधायक अरुण भीमावद ने कहा कि उनके प्रदेश अध्यक्ष के कार्यकाल में मुझे पहले भी जिलाध्यक्ष के रुप में कार्य करने का अवसर प्राप्त हुआ था तथा उनके ही कार्यकाल में मुझे विधायक बनने का अवसर प्राप्त हुआ था। आज प्रभात जी हमारे बीच में नहीं हैं किंतु उनकी बताई कार्यशैली और उनके बताए सिद्धांत सदा हमारे हृदय और मानस पटल पर जीवित रहेंगे तथा उनकी उपस्थिति का आभास कराते रहेंगे। श्रद्धांजलि सभा में पूर्व विधायक विधायक पुरषोत्तम चंद्रवशी ने कहा कि प्रभात जी के सरकार, सत्ता एवं समन्वय की कार्यशैली बहुत सटीक थी और कार्यकर्ताओ को उससे प्रेरणा लेना चाहिए। श्रद्धांजलि सभा में पूर्व विधायक बाबूलाल वर्मा, शुजालपुर नपा अध्यक्ष श्रीमती बबिता परमार ने भी शब्दो के माध्यम से स्व प्रभात जी को श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम के अंत में शाजापुर जिले में दिवंगत हुए भाजपा परिवार के सदस्य स्व सूरजमल सांकलिया, स्व दीपक भीमावद, स्व अमृतलाल मीणा, स्व विरांची मेहता, स्व भगवानसिंह जादौन, स्व रमेश पाटीदार, स्व वीरेंद्र सिंह राजपूत, स्व देवीसिंह पाटीदार को भी श्रद्धांजलि दी गई। कार्यक्रम का संचालन जिला महामंत्री दिनेश शर्मा ने किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे।

विश्व हिन्दू परिषद दमोह के द्वारा डाक्टर हाऊस में लगाया गया विशाल नि :शुल्क नेत्र एवं मोतियाबिंद शिविर

100 से अधिक मरीजों ने शिविर आकर कराई आंखों की जांच

धीरज कुमार अहीरवाल । सिटी चीफ दमोह, विश्व हिन्दू परिषद और बजरंग दल जिला दमोह के द्वारा दमोह के डॉक्टर हाऊस में एकदिवसीय विशाल नेत्र शिविर दादा वीरेंद्र पुरी जी नेत्र संस्थान देवजी नेत्रालय के नि:शुल्क नेत्र एवं मोतियाबिंद शिविर में 100 अधिक मरीजों ने शिविर में आकर जांच कराई। विश्व हिन्दू परिषद जिला दमोह के ज़िला मंत्री नरेंद्र जैन ने जानकारी देते हुए बताया कि विश्व हिन्दू परिषद के द्वारा सेवा कार्य के अभियान के तहत आज विशाल निशुल्क नेत्र जांच एवं मोतियाबिंद ऑपरेशन शिविर का आयोजन किया गया था। जिसमें 16 मरीज़ जिनके आपरेशन होना है। उन्हें दादा वीरेन्द्रपुरी नेत्र संस्थान देवजी नेत्रालय जबलपुर भेजा गया है। जिनका नि:शुल्क आपरेशन किया जाएगा। नेत्ररोग सहायक अमित देशपांडे ने दमोह जिले वासियों से अपील करते हुए कहा है कि आपके दमोह जिले में हमारी संस्था नि:शुल्क नेत्र जांच एवं मोतियाबिंद आपरेशन शिविर का आयोजन किया जा रहा है। यह शिविर आगे भी जिले के अन्य स्थान पर आयोजित किए जाएंगे। अधिक से अधिक संख्या में मरीज शिविर में शामिल होकर लाभ ले। इस दौरान प्रमुख रूप से अजय खत्री ,मोंटी रायकवार, दुर्गा लोधी, बबलू राय सहित बड़ी संख्या कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों की मौजूदगी रही।

कलेक्टर कार्यालय में रक्तदान शिविर का हुआ आयोजन, रक्तदाताओं ने किया रक्तदान

धीरज कुमार अहीरवाल । सिटी चीफ दमोह, कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर ने कहा रक्तदान महादान है, आय दिन मरीजों के लिए रक्त की जरूरत पड़ती है इसके लिए कई बार मरीजों को भटकना पड़ता है। प्रशासन का यह प्रयास है कि ब्लड बैंक में रक्त पर्याप्त मात्रा में रहे, ताकि किसी भी मरीज को रक्त के लिए भटकना न पड़े और यदि इस काम में समाज का सहयोग मिल जाता है तो यह अति उत्तम हो जाता है। इसी उद्देश्य से हमने यह तय किया है कि हर महीने कम से कम एक बार रक्तदान शिविर लगाया जाएगा अलग-अलग स्थानों में, ताकि उससे जो ब्लड एकत्रित होगा वह मरीजों के लिए काम में आएगा। इसी सिलसिले में हमने पहला ब्लड डोनेशन कैंप आज 31 जुलाई को कलेक्टर कार्यालय परिसर में रखा है, जिसमें कार्यालय कर्मचारी और बाकी सभी लोग रक्तदान कर रहे हैं। जिला आयुष अधिकारी डॉ. राजकुमार पटेल ने प्रात: 10:30 बजे जाकर कलेक्ट्रेट

सभागार में रक्तदान किया। उन्होंने सभी नागरिकों से आग्रह करते हुए कहा है कि इस पुण्य कार्य में अपनी सहभागिता जरूर निभाएं। शासकीय अधिकारी-कर्मचारी और आमजन जो रक्तदान करना चाहते हैं, वे रक्तदान अवश्य करें, अपनी सहभागिता बढ़ाएं, लोगों को अप्रत्यक्ष रूप से जीवन दान देने में आप अपना पुण्य कार्य और पुण्य लाभ अर्जित करें। दमोह के तहसीलदार मोहित जैन ने भी रक्तदान कर इस पुण्य कार्य में अपनी सहभागिता निभाई। उन्होंने कहा रक्तदान महादान है, सभी को करना चाहिये। होमगार्ड सैनिक विनोद खन्ना नंबर 60 ने अपनी स्वेच्छा से रक्तदान किया है। सैनिक विनोद खन्ना कलेक्टर परिसर ड्यूटी करते है, कलेक्टर के आदेशानुसार दमोह जिले के कलेक्टर परिसर में रक्त शिविर लगाया गया, उन्होंने कहा रक्तदान करने से कोई दिक्कत नहीं होती है, मेरी उम्र 58 वर्ष 2 माह हो चुकी है और आज रक्तदान किया है।

मत्स्य विभाग के सहायक संचालक सुरेंद्र कुमार कुर्मी ने भी कलेक्ट्रेट कार्यालय में आयोजित ब्लड डोनेशन कैंप में ब्लड डोनेट किया। उन्होंने कहा ब्लड डोनेट करने से कोई भी प्रॉब्लम नहीं होती है और ब्लड निकलवाने के बाद बिल्कुल स्वस्थ हूं और लोगों से मेरा आग्रह है कि अधिक से अधिक संख्या में आकर ब्लड डोनेट करें।

इसी प्रकार योगेन्द्र सिंह ठाकुर, कृष्णकांत, सुशील नामदेव, वाईज मिर्जा, महेन्द्र चौधरी, डॉ. रमेश प्रसाद अठिया, मनीष दुबे, पूरन सिंह ठाकुर, पुरूषोत्तम गोस्वामी, अनीता कोरी, ब्रजेश पटैल, दुर्ग सिंह लोधी, भूपेन्द्र कुमार अहिरवाल, रितेन्द्र अहिरवाल, पी.एन. तिवारी, हर्ष जैन, द्वारका प्रसाद करकरे एवं लाजवंती ने भी रक्तदान किया।

आँख के आउटर में घुसा स्प्रिंग, डॉ गिरीश चतुर्वेदी ने ऑपरेशन कर बाहर निकाला

कुलदीप गुप्ता । सिटी चीफ शिवपुरी, शिवपुरी शहर की अब्दुल कलाम कॉलोनी में अपने मामा के घर आए भिंड जिले के 7वीं कक्षा के छात्र आर्यन की आंख में स्प्रिंग का हुक घुस गया। ऐसी ही हालत में परिवारवाले बच्चे को लेकर जिला अस्पताल पहुंचे, जहां नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ गिरीश चतुर्वेदी ने ऑपरेशन करके हुक को बाहर निकाल दिया जानकारी के अनुसार आर्यन के मामा का बेटा स्प्रिंग के हुक से खेल रहा था तभी स्प्रिंग का हुक आर्यन की आंख में घुस गया। आर्यन चीखा तो परिजन दौड़कर आए। आंख में फंसा स्प्रिंग का हुक देखकर वे घबरा गए। वे आर्यन को लेकर सीधे जिला अस्पताल पहुंचे। यहां नेत्र विशेषज्ञ डॉक्टर गिरीश चतुर्वेदी ने जांच की और तत्काल टीम के साथ ऑपरेशन कर हुक को आंख से बाहर निकाल दिया वहीं डॉक्टर गिरीश चतुर्वेदी का कहना है कि गनीमत रही कि बच्चे की आंख के आउटर वॉल में स्प्रिंग का हुक फंसा था, जिससे बच्चे की आंख बच गई। इनर वॉल में फंसा होता तो आंख भी जा सकती थी।

बालाघाट विधायक ने लालबर्रा में लगाया जनता दरबार,समस्या सुनकर दिये कार्यवाही हेतु निर्देश

लंबित छुट्टी पर सीईओ चल रहे हैं तो, यहां पर दुसरे सीईओ की नियुक्ति करवायें: विधायक अनुभा मुंजारे

लकेश पंचेश्वर । सिटी चीफ
लालबर्रा, बालाघाट विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे द्वारा 31 जुलाई दिन बुधवार को पुन: अपने कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर विश्राम ग्रह में जनता दरबार लगाया गया जिसमें ग्रामीण अंचलों से लोग अपनी अपनी समस्या लेकर पहुंचे, सभी लोगों ने अपनी अपनी समस्या विधायक के समझ रखी ।जिसमें राजस्व विभाग से संबंधित, बैंक से संबंधित,पुलिस विभाग से संबंधित, स्वास्थ्य विभाग से संबंधित,जनपद पंचायत से संबंधित,सड़क निर्माण से संबंधित,सहित अन्य और भी विभागों से संबंधित समस्या को लेकर ग्रामीण अपनी समस्या को लेकर विधायक के समझ पहुंचे विधायक महोदया के द्वारा सभी लोगों कि समस्या को गंभीरता से सुना गया तथा समस्या के निराकरण हेतु संबंधित अधिकारी को मौके पर तत्काल ही बुलाया गया तथा संबंधित विभाग को कार्यवाही हेतु निर्देशित भी किया गया है। ग्रामीण अंचलों से बहुत से लोग अपनी अपनी समस्या लेकर उपस्थित हुए वहीं पार्टी कार्यकर्ताओं के द्वारा भी क्षेत्रीय समस्याओं से विधायक महोदया को अवगत कराने का प्रयास किया गया।

चर्चा करते हुए विधायक अनुभा मुंजारे ने कहा कि हर बार की तरह इस बार भी जनता के दर्शन करने और उनकी समस्याएं सुनने आई तहसील से संबंधित प्रकरण मेरे सामने आए जिसके निराकरण करने नायब तहसीलदार आए हुए थे क्योंकि तहसीलदार साहब को

किसी काम से जाना हो गया था बिजली विभाग से कुछ समस्याएं आई बिजली विभाग के अधिकारी को यहां पर बुलाया गया। इसी तरह अभी ग्रामीण क्षेत्र व शहरी क्षेत्र के गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाले परिवार को कई तरह से आर्थिक कठिनाईयों का सामना करना पड़ता है खास तौर से इलाज के लिए उसके संदर्भ में मेरे पास में आम जन ने मेरे पास में एक आवेदन दिया है की इलाज के लिए राशि स्वीकृत कराई जाए उनको सहायता करने के लिए मेरा प्रयास रहेगा और कई सड़कों की हालत खराब है क्योंकि बारिश है बारिश में कुछ कच्ची सड़के व कुछ पक्की सड़कें वर्षों पुरानी सड़कें हैं जो टूट-फूट गई है उनके मरम्मत के संबंध में मुझे आवेदन मिला है उन्हें भी बारिश के बाद सड़कों के निर्माण की प्रक्रिया शुरू की जाएगी अभी तत्काल में आवागमन का रास्ता अवरुद्ध न हो यह भी हमारा प्रयास रहेगा पंचायत के सहयोग से हम कुछ अच्छा कर पाए जिससे आवागमन अच्छा चलता रहे इस तरह से जन समस्याओं को लेकर यहां पर अवगत कराया गया और हर बार की तरह मेरा यही प्रयास रहेगा की हर विभाग की समस्या का मैं निराकरण कर सकूं।

तहसील व जनपद कार्यालय का विधायक ने किया औचक निरीक्षण- बालाघाट विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे के द्वारा अपने पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर जनपद व तहसील कार्यालय का औचक निरीक्षण किया गया तथा आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए गए, जिसमें श्रीमती अनुभा मुंजारे ने कहा कि बालाघाट विधानसभा क्षेत्र का एक एवं स्थान है लालबर्रा और लालबर्रा में तहसील कार्यालय है सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र है जनपद कार्यालय हैं यहां की समस्याओं से नागरिक लगातार अवगत कराते रहते हैं और तहसील ऑफिस की क्या व्यवस्थाएं हैं यहां की जनता से मुझे जानकारी एकत्रित होते रहती है तो इस कारण आज मैंने यहां के तहसील कार्यालय का निरीक्षण किया और तहसील कार्यालय में जनता से मिली जिनके वहां मामले लंबित है बंटवारे के व बहुत सारे जो तहसील से जुड़े हुए मसले होते हैं तो जनता से मुलाकात करने के बाद उनकी समस्या जानने का प्रयास किया गया और यहां के जो तहसीलदार है उनको मैंने निर्देशित किया कि मुझे यह शिकायत मिली है कि प्रकरण जितने भी हैं वह लंबित है और जनता को बेहद परेशानी होती है बार-बार उनको भटकना पड़ता है भटकना न पड़े नियमानुसार आप कार्यवाही और न्याय संगत कार्यवाही हो जनता को परेशानी ना हो इस दिशा में आप काम करें मैं तहसीलदार को दिशा निर्देशित किया है उन्होंने भी आस्वस्त किया है कि हमारे तरफ से भी पूरा प्रयास किया जाएगा की लंबित प्रकरणों का समय पर निराकरण करेंगे और जनता को परेशानी नहीं होगी ऐसा उन्होंने कहा है। तत्पश्चात मुझे जनपद पंचायत में जाने का मौका मिला जनपद पंचायत की हालत बहुत खराब है जनपद के जो सीईओ है वह लंबी छुट्टी पर चल रहे हैं वर्तमान स्थिति में जनपद पंचायत लालबर्रा के जो सीईओ के प्रभार में हैं जो बालाघाट जनपद की सीईओ है अब जो सीईओ जनपद पंचायत बालाघाट में अपनी सेवाएं दे रही है वह लालबर्रा में कितनी सेवाएं दे पाएगी यह सोचने वाली बात है तो इस कारण पूरी अव्यवस्था पाई मैंने कार्यालय में पूरी तरह अफरा तफरी व गंदगी का माहौल है साफ सफाई बिल्कुल नहीं है यह हालत है ये जो वाय के गौतम जी जो है जो अकाउंटेड ऑफिसर के पद पर कार्यरत हैं वहां पर वे तीन दिनों से छुट्टी पर हैं ऐसा मुझे बताया गया जब मैंने उपस्थिति पंजी देखी तो उसमें तीन दिनों का जो कालम है वह खाली पड़ा हुआ है उसमें छुट्टी का कोई उल्लेख नहीं है ना ही कोई आवेदन पत्र है संबंधित अधिकारी व कर्मचारी जो है संतोषप्रद जवाब नहीं दे पाए यह हालत है एकाउंटेड के कक्ष में गंदगी पूरी फैली हुई है दीवारों में पान गुटके से थुका गया है यह हालत है यह समझ सकते हैं कि अपने ही कार्यालय में इतनी अव्यस्था फैलाए हुए हैं तो क्या जनपद पंचायत की समस्याओं का निराकरण करेंगे 77 ग्राम पंचायत जुड़ी है यहां से उनकी समस्याओं का समाधान किस तरह से कर पाएंगे मुझे तो बहुत अफसोस हुआ देखकर और मैं किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं करूंगी मैं जिला कलेक्टर डॉक्टर गिरीश कुमार मिश्रा जी से इस संबंध में बात करूंगी कि अगर लंबित छुट्टी पर सीईओ चल रहे हैं तो यहां पर दूसरे सीईओ की नियुक्ति करवाएं जल्दी से जल्दी फुल प्लेस सीईओ काम करें जिससे हमारे पंचायत की जो शासकीय योजनाएं जो आती है इसका लाभ आम जनता को सीधे मिलना चाहिए समय पर मिलना चाहिए।

आमाटोला ददिया मार्ग का संबंधित अधिकारीयों को साथ लेकर किया जायेगा निरीक्षण वहीं आमाटोला ददिया मार्ग पर आ रही दिक्कतो के बारे में उनसे सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि जैसे ही बरसात समाप्त होती है सबसे पहले उसी मार्ग का संबंधित अधिकारी को साथ लेकर निरीक्षण किया जायेगा यह मार्ग बेहतर बन सके स्कूली बच्चों व आने जाने वालों को किसी भी तरह से परेशानी ना हो इस दिशा पर काम किया जायेगा अभी बरसात का समय चल रहा है किसान भाई व आमजन धैर्य बनाए यदि इसके लिए मुझे अनशन पर बैठना पड़े तो मैं गांव वालों के साथ अनशन पर बैठने तैयार रहूंगी लेकिन रोड़ निर्माण का कार्य होकर रहेगा।

वहीं मुरलीखाम जामरटोला में बन रहे पुल निर्माण को लेकर भी बात कि गई तो उन्होंने कहा कि इस पुल के बारे में मुझे अखबारों के माध्यम से जानकारी मिली है कि दो साल से पुल का काम चल रहा है और अभी तक पुल का काम पुरा नही हुआ है जिससे ग्रामीणों को बहुत परेशानी जा रही है और ठेकेदार पर यह भी आरोप लगाया जा रहा है कि पुल कि समस्त राशि निकाल ली गई है मैं संबंधित अधिकारी से जानकारी लेकर बात करती हूं और फिर आप लोगों को अवगत कराती हूं यदि इस तरह कि लापरवाही हुई होगी तो मैं कार्यवाही करवाउगी।

परेशानी का सबब बने बिना पार्किंग निर्मित कमर्शियल कॉम्प्लेक्स

बेतरतीबी से खड़े वाहनों से सड़क जाम, राहगीर त्रस्त

मोहम्मद मुनीर । सिटी चीफ शहडोल, जिला मुख्यालय पर लगातार चार पहिया वाहनों का बढ़ता दबाव के चलते पैदल चलने वाले और दुपहिया वाहनों को यातायात जमा की समस्या से आए दिन दो चार होना पड़ रहा है। इसका सबसे बड़ा कारण बिना किसी पार्किंग के कमर्शियल काम्प्लेक्स बनाकर नियम विरुद्ध संचालित कारोबार सड़कों पर पार्किंग की छूट दे रहा है भले ही इसके चलते सड़क दुर्घटना हो या वाहनों के जमावड़े से प्रभावित यातायात जमा में किसी की जान ही क्यों न चली जाए। हम ऐसे इसलिए कह रहे हैं कि सड़कों पर पार्किंग के चलते आमजनों को आवागमन में असुविधा के साथ ही असुरक्षित आवागमन किसी अनहोनी को आमंत्रण देना जैसे ही है। इस ओर ध्यान जिम्मेदार अफसरों का ना जाना अपने आप भी ही बड़ा सवाल है ऐसा क्यों।

सड़क यहाँ हुई सकरी.... दरअसल शहडोल के राजेन्द्र टॉकीज/अंबेडकर चौंक के ईर्द-गिर्द नज़र घूमाकर देखा जाएं तो एक तरफ होटल ओएसिस के ठीक बगल की शराब दुकान जिसके ग्राहकों की लंबी कतार वाहनों की लंबी कतार लगा जाती है इसके चलते धनपुरी अमलाई बुढार लालपुर कंचनपुर नवलपुर धुरवार जमुई सहित गोरतरा आसपास इसके से इलाज को 108 एम्बुलेंस में आने वाले मरीजों की ट्राफिक जाम की आए दिन की समस्या से जूझना पड़ता है बुढार चौक, गांधी चौक से होकर जिला अस्पताल पहुंच मार्ग तक यातायात पुलिस अमला दुरूस्त नहीं कर पा रहा है। इसके पीछे जानकार बताते हैं विभागीय अफसरों की इच्छाशक्ति और जुर्माना वसूली अभियान के चक्कर में संभागीय मुख्यालय की यातायात व्यवस्था चौपट हो गई है।

नपा राजस्व में ऐसे लग रही सेंध.... गौरतलब हो की शहडोल में बड़ी बड़ी बिल्डिंग तो तान दी गयी उसपे ब्यापार भी जारी है भवन बनाने की अनुज्ञा पर बतौर उदाहरण जैसे 0-75 वर्गफीट पर भवन बनाने की अनुमति लेने पर अनुज्ञा शुल्क साढ़े 7 सौ रुपए लगता है। लेकिन यही शुल्क व्यावसायिक कॉम्पलेक्स की अनुज्ञा लेने पर डेढ़ गुना बड़ जाता है। बिल्डर्स द्वारा भवन की इजाजत लेने के लिए अनुज्ञा शुल्क जमा किया गया लेकिन बाद में कॉम्पलेक्स बना लिए गए हैं। इससे नपा को लाखों रुपए का नुकसान हुआ है। उन्होंने बताया कि यदि इसका क्षेत्रफल बढ़ता जाता है तो अनुज्ञा दर भी बढ़ जाती है। उन्होंने बताया कि शहर में कॉम्पलेक्स बनाने के लिए नगर परिषद से अनुमति लेनी पड़ती है नपा में व्यावसायिक एवं रहवासी भवन

निर्माण की अनुज्ञा के लिए अलग-अलग नियम एवं शुल्क निर्धारित हैं। बिल्डर्स अनुज्ञा शुल्क एवं व्यावसायिक टैक्स से बचने के लिए भवन की अनुज्ञा लेते हैं और व्यावसायिक कॉम्पलेक्स बना लेते हैं।

अनुमति मामले खेला खेल... नपा अधिकारियों से मकान का नक्शा पास करवा कर, व्यावसायिक कॉम्पलेक्स बना लिए हैं। आज से 15 साल पहले यहां मकान बने थे। लेकिन शहर की आबादी बड़ने तथा बाजार फैलने के कारण बिल्डर्सों ने व्यावसायिक कॉम्लेक्स बना लिए। इसमे पार्किंग की पर्याप्त व्यवस्था नहीं है। इस कारण वाहन आधी सड़क तक खड़े रहते है। इससे रोजाना जाम के हालात बन रहे है। नगर निगम व्यवसायिक कॉम्पलेक्स, टाउन एंड कंट्री प्लान, मॉल कमर्शियल, औद्योगिक एवं आवासीय भवनों तथा इमारतों को अनुमति देने का काम करती है। जबकि नियम कानून की अनदेखी होने पर अनुशासनात्मक कार्रवाई करने का अधिकार नपा का होता है।

धरती के भगवान भी काम नहीं ..... हम आपको बता दें कि राजेन्द्र टॉकीज अंबेडकर चौंक से पशु-चिकित्सालय की ओर जाने वाली सड़क पर डॉक्टर संपूर्णा नंद क्लिनिक के ग्राहकों की पूरी फौज सड़कों पर ऐसे बेतरतीब तरीके से वाहनों की पार्किंग करती है जैसे कि डॉक्टर संपूर्णा नंद साहब की 10 बाई 20 की सकरी सी क्लिनिक का साम्राज्य लगभग एक एकड़ जमीन पर फैला हुआ है जहा देखो इनके ग्राहकों की मोटर साइकिल, कार बेतरतीबी से पार्क है यहां आये दिन छूट पुट सड़क दुर्घटना होती रहती है इस सड़क पर विभिन्न कारणों से आसपास इलाके से इलाज़ को आते घायल गौवंश की एंबुलेंस बामुश्किल यहां से गुजर पा रही है, सूत्र बताते हैं इलाज में देरी की वजह से जिला अस्पताल मरीजों की जान जा चुकी है और वही पशु चिकित्सालय तक ना समय से ना पहुंचने वाली एम्बुलेंस मध्यप्रदेश की मोहन यादव सरकार की अभिनव पहल बेजुबानों की जान बचाने में सड़कों पर धमाचौकड़ी मचा रखें

वाहनों की वज़ह से फेल होती नज़र आ रही है। क्योंकि इस मामले में ना तो नगरनिकाय को दिलचस्पी है, कि शहर में संचालित कितने कमर्शियल काम्प्लेक्स है जिनमें तय मानक के हिसाब से पार्किंग क्षेत्र सुनिश्चित किया गया और कितने कमर्शियल काम्प्लेक्स इन कायदे-कानून को रौंद रहे हैं और इंसानी और चौपाया की जान जोखिम में डालने का काम कर रहे हैं। वहीं यातायात पुलिस और कलेक्टर कार्यालय के नाक के नीचे राजस्व अमले को चिंता है। अवैध पार्किंग पर ठोस कदम उठाए जाना चाहिए।

जीतेन्द्र का टाल ने तोडा फुटपाथ..... नगर के मुख्य मार्ग पर स्थित नथमल सरावगी पेट्रोल पंप के बगल संचालित जीतेन्द्र का टॉल इतिहासिक लकड़ी का टॉल है जो पेट्रोल पंप के ठीक बगल में वर्षो नहीं दशकों से संचालित है, दरअसल पेट्रोल अत्यंत ज्वलंशील पदार्थ है जिसके इर्द गिर्द सुरक्षा के मद्दे नजर जिला प्रशासन को भी काफी एहतियात बरतने की आवश्यकता है वरना जरा सा भी हुए चूक से लकड़ी का टॉल और उसके पीछे संचालित कारोबार जहा गैस सिलेंडर इत्यादि भरी मात्रा में मौजूद है जिस आने किसी भी अनहोनी की घटनाक्रम से इंकार नहीं किया जा सकता है, शहर में नागरिको की सुरक्षा के दृष्टिकोण से टॉल संचालक द्वारा कोई उपाय नहीं किये गए बल्कि राहगीरों के लिए बने फुटपाथ में लकड़ी के ट्रक अनलोड करते हुए पूरा का पूरा फुटपाथ तोड़कर रख दिया है और टॉल समेत आसपास संचलित दुकानों की सारी गाड़िया हादशों को निमंत्रण देने के लिए सड़क पर बेतरतीबी से पार्क कराइ जा रही है।

प्रतिक्रिया.....

भाई साहब एक तो बारिश से हम बच्चों सहित भींग चुके हैं और इन बड़े बड़े कमर्शियल काम्प्लेक्स संचालक सड़क पर पार्किंग करा रहे हैं, हमारे आने जाने के लिए सड़क ही नहीं बची, ऐसे में किसी भी दिन बड़ा हादसा हुआ तो जिम्मेदार कौन होगा।- **अविनीश, स्थानीय स्कूली बच्चों के परिजन**

प्रधानमंत्री कॉलेज आफ एक्सीलेंस जिला मैहर में
जिला स्तरीय कैरियर मेले का सफल आयोजन संपन्न

रोजगार स्वरोजगार मेले में 17 प्रतिभागियों को कंपनियों द्वारा दिया गया ऑफर लेटर

श्री निवास मिश्रा । सिटी चीफ
मैहर, मेले के प्रारंभ में मां शारदे का पूजन वंदन कर अतिथियों द्वारा विभिन्न कंपनियों के साक्षात्कार स्थल का भ्रमण किया, ई मार्गदर्शिका पत्रिका का अतिथियों द्वारा डिजिटल विमोचन किया गया मेले में कंपनियों के साथ-साथ शासकीय विभागों के स्टॉल से भी विद्यार्थियों को मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। रोजगार मेले में विभिन्न कंपनी द्वारा रोजगार आधारित साक्षात्कार संपन्न किया जिसमें हेलो जॉब प्लेसमेंट कंपनी, मेहता वेस्टर्न प्राइवेट लिमिटेड कंपनी, एसबीआई कार्ड, डेयोरो कंपनी, प्रगतिशील बायोटेक प्राइवेट लिमिटेड,अन्नपूर्णा फाइनेंस, लिंक अप कंपनी ने जॉब लेटर प्रदान किया तो कुछ कंपनियों ने प्रथम चरण का साक्षात्कार पूर्ण किया मेले में कल 416 विद्यार्थी प्रतिभागियों ने ऑनलाइन ऑफलाइन पंजीयन किया। जिसमें 275 प्रतिभागी साक्षात्कार में सम्मिलित हुए साथ ही

विद्यालय से लगभग 100 विद्यार्थी भी सम्मिलित हुए रोजगार अवसर मेले में 140 प्रतिभागियों ने शासन के विभिन्न विभागों से रोजगार स्वरोजगार पर मार्गदर्शन प्राप्त किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि मान. विधायक श्रीकांत चतुर्वेदी जी की गरिमामय उपस्थिति रही। महाविद्यालय के जन भागीदारी अध्यक्ष श्री संतोष पांडेय जी (राजा भैया), नगर पालिका अध्यक्षा श्रीमती गीता संतोष सोनी, समाजसेवी श्री सतीश मिश्रा, जिला रोजगार अधिकारी श्री बी.डी.तिवारी, नोडल अधिकारी ह्य1ष्द्वह्य डॉ क्रांति राजोरिया के विशिष्ट आदित्य में तथा संरक्षक श्रीमती रानी बाटड कलेक्टर मैहर एवं श्री सुधीर अग्रवाल पुलिस अधीक्षक मैहर की गरिमामय उपस्थिति में संपन्न हुआ। आयोजन में महाविद्यालय के प्रचार डॉक्टर अरुण कुमार गौतम द्वारा उद्बोधन दिया गया एवं आभार,मेले के संयोजक डॉ.एस के पांडेय जी ने किया महाविद्यालय के प्रो. शैलेंद्र प्रताप सिंह, डॉ ममता गुप्ता एवं प्रो. ज्योति मालवीय द्वारा कार्यक्रम का सफल संचालन किया गया।

मैहर के डायरिया प्रभावित गांवों का दौरा
करेगी चार सदस्यीय मेडिकल टीम

संभागायुक्त के निर्देश पर टीम का गठन

श्री निवास मिश्रा । सिटी चीफ
मैहर, मैहर जिले के ग्राम पिपरहट, मौदहा, हरदुआसानी, जरियारी, डेल्हा आदि ग्रामों में प्रतिदिन आने वाले डायरिया एवं उल्टी - दस्त से प्रकरणों की जानकारी तथा वस्तु स्थिति से अवगत कराते हुए कलेक्टर मैहर श्रीमती रानी बाटड ने कमिश्नर रीवा संभाग बीएस जामोद से बीमारी की रोकथाम एवं उपचार के लिए सतना , रीवा मेडीकल कॉलेज से विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम भेजने का आग्रह किया था । कमिश्नर रीवा संभाग बीएस जामोद द्वारा चिकित्सा महाविद्यालय सतना के अधिष्ठाता को मैहर जिले के लिए विशेषज्ञ चिकित्सकों की एक टीम तत्काल भेजकर कलेक्टर मैहर के निर्देशन में कार्य करने के लिए निर्देशित किया गया है । इस बीच मैहर कलेक्टर रानी बाटड ने सोमवार को मैहर जिले के ग्राम पंचायत डेल्हा का निरीक्षण किया । निरीक्षण के दौरान स्वास्थ्य विभाग की टीम को हर घर में जाकर लोगों की स्वास्थ्य का अवलोकन करने एवं डायरिया से बचाव हेतु लोगों को जागरूक करने के निर्देश दिए । कलेक्टर ने कहा कि आशा और आंगनवाड़ी कार्यकर्ता प्रत्येक 2 घंटे में प्रभावित लोगों की जांच करें एवं घर - घर जाकर उपयोगी दवाओं और ओआरएस का वितरण करें एवं प्रभावित लोगों की सूची बनाकर लगातार मानीटरिंग भी करें । कलेक्टर ने डायरिया से प्रभावित मरीजों को सिविल अस्पताल मैहर पहुंचने के लिए तत्काल साधन उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। **क्लोरीनेटेड वाटर टैंकर का पानी पीने की सलाहः** मैहर कलेक्टर रानीबाटड ने डायरिया प्रभावित लोगों से मुलाकात की और पेयजल के लिए साफ , स्वच्छ क्लोरीनेटेड वाटर टैंकर के पानी का ही उपयोग करने की अपील की है । मैहर कलेक्टर द्वारा जिले के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी से डायरिया फैलने के कारणों और रोकथाम के लिए किये जा रहे प्रयासों तथा गतिविधियों का विस्तृत प्रतिवेदन भी मांगा है । कलेक्टर मैहर को प्रस्तुत प्रतिवेदन में सीएमएचओ डॉ . एलके तिवारी ने प्रभावित ग्रामों के नागरिकों से स्थानीय प्रशासन द्वारा भेजे जा रहे वाटर टैंकरों के क्लोरीनेटेड जल को ही पीने के उपयोग में लेने की सलाह दी है।

महाकाल मंदिर की ई-कार्ट अनयंत्रित होकर बेरिकेट्स में घुसी
भोपाल की महिला श्रद्धालु सहित कार्ट में बैठे लोग घायल

उज्जैन, महाकालेश्वर मंदिर के बाहर महाकाल महालोक से मंदिर तक चलने वाली ई-कार्ट बुधवार को अनियंत्रित होकर शंख द्वार पर सामान्य श्रद्धालुओं की कतार में जाकर घुस गई। दुर्घटना में दर्शन के लिए लाईन में लगी एक महिला श्रद्धालु घायल हुई है। वहीं ई-कार्ट में सवार तीन लोगों को चोट आई है। महाकालेश्वर मंदिर में महाकाल महालोक बनने के बाद श्रद्धालुओं को महालोक में भ्रमण कराने और प्रोटोकाल से आने वाले श्रद्धालुओं के लिए मंदिर के शंख द्वार तक ई-कार्ट का उपयोग किया जाता है। बुधवार को दोपहर करीब साढ़े तीन बजे कुछ लोगों को लेकर आ रही ई-कार्ट मंदिर के शंख द्वार के समीप घाटी पर बेकाबू होकर सामने लगे बेरिकेट्स में जा घुसी। इस दौरान सामान्य दर्शनार्थियों की

लाईन में लगी युवती रिया अठोले पिता सुधाकर उम्र 20 वर्ष निवासी कोलार भोपाल के पैर में गंभीर चोट आई है। वहीं ई-कार्ट में सवार महाकाल मंदिर में स्थित श्री औकारेश्वर मंदिर के पुजारी लाल बाबा व एक अन्य को चोट आई है। लाल बाबा को पाटीदार अस्पताल इलाज के लिए लाया गया। उन्होंने बताया कि ई-कार्ट के ब्रेक फैल होने के कारण घाटी पर गाड़ी तेजी से आगे बढ़ी और सामान्य दर्शनार्थियों की लाईन के लिए लगाए गए बेरिकेट्स में जाकर टकरा गई। हालांकि इस दुर्घटना में बाबा महाकाल की कृपा से ज्यादा चोट नही लगी है। केवल पैर में हल्की चोट आई है। वहीं दर्शन की लाईन में लगी रिया के पैर में ज्यादा चोट लगने से उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया था। बाद में रिया को अवंति हास्पिटल में दाखिल कराया है। महाकाल मंदिर के सहायक प्रशासक मूलचंद जूनवाल ने बताया कि दो लोगो को हल्की चोंट लगी है , ई कार्ट के ड्राइवर की सूझबूझ से बड़ा हादसा नहीं हुआ है। मामूली चोंट आई है।

जिला अस्पताल में कलेक्टर दिलीप कुमार यादव का अचानक दौरा
गंदगी पर अधिकारियों को फटकार

सुनील यादव । सिटी चीफ कटनी, कटनी जिला अस्पताल में आज अचानक कलेक्टर दिलीप कुमार यादव पहुंच गए और जिला अस्पताल के हर एक वार्ड और मरीजों से मुलाकात की वही उन्होंने जिला अस्पताल के अंदर गंदगी का अंबार देख जिला अस्पताल के अधिकारियों को फटकार भी लगाई वही मीडिया कर्मियों को देखते हुए उन्होंने मीडिया कर्मियों को कवरेज करने से भी रोक दिया और उनके पीछे आने से मना कर दिया। मीडिया कर्मियों ने जब कलेक्टर प्रदीप कुमार यादव से पूछा गया की मीडिया कर्मियों को कवरेज करने से रोका क्यों गया तो उन्होंने मीडिया कर्मियों को जवाब देते हुए बताया वह चाह रहे थे की उनके साथ अन्य विभाग के कई अधिकारी भी मौजूद थे और वे चाह रहे थे की भीड़ की वजह से मरीजों को समस्याओं का सामना न करना पड़े इस लिए मीडिया कर्मियों को साथ में चलने से मना किया गया था, वही उन्होंने ने यह भी बताया की वे जिला अस्पताल के सभी विभाग और मरीजों के वार्ड में भी भ्रमण किया जहा उन्होंने गंदगी का अंबार देखा और मरीजों को इससे समस्याओं का सामना करना पड़ रहा था जिस पर वह कार्यवाही करने की बात कही है। वही अधिकारियों को निर्देशित किया है जो भीनिस सफाई का ठेका लिया है उस पर कार्यवाही की जाए।

मैहर में मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित हुई जनसुनवाई

57 आवेदनों पर हुई जन सुनवाई

श्री निवास मिश्रा । सिटी चीफ
मैहर, 30 जुलाई 2024/मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित जनसुनवाई में कलेक्टर मैहर श्रीमती रानी बाटड ने जिले के विभिन्न अंचलों से अपनी समस्याओं का आवेदन लेकर आये 57 आवेदकों की समस्याएं सुनी और समस्याओं के त्वरित निराकरण के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिये।

इस मौके पर अपर कलेक्टर शैलेंद्र सिंह, एसडीएम विकास सिंह, डीपीओ राजेंद्र बांगरे सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

जनसुनवाई के दौरान आवेदक नंदीलाल पिता बबुलिया ग्राम सुहौला अमदरा तथा जगदीश प्रसाद मिश्रा नादन टोला अमरपाटन द्वारा खसरा के सुधार हेतु आवेदन दिया गया। इसी प्रकार गणेश प्रसाद विश्वकर्मा निवासी ग्राम पिपरा कला ने बताया कि पिछले पांच माह से लगातार आवेदन देने के बावजूद विद्युत विभाग द्वारा मीटर नही बदला जा रहा है। बिजली बिल 300 रुपए प्रति माह अनुमानित बिल भी भेजा जा रहा है। आवेदक जेपी मिश्रा निवासी ग्राम करईया ने बताया कि मेरी नतबहु साक्षी गर्ग निवासी ग्राम पंचायत करइया बुजुरिया समग्र आईडी त्रुटिवस हटा दिया गया है जिसे अब पुनः प्रविष्ट करने के लिए मुख्य कार्यपालन अधिकारी को आवेदन दिया गया था। लेकिन अभी तक कोई सुधार नहीं हुआ है। कलेक्टर श्रीमती रानी बाटड ने प्राप्त आवेदनों के आधार पर कार्यवाही करते हुए गणेश प्रसाद विश्वकर्मा का तत्काल मीटर बदलकर नया मीटर लगाये जाने के आदेश दिये। साथ ही नंदीलाल और जगदीश प्रसाद मिश्रा का खसरा सुधार की कार्यवाही करते हुए पांच वर्ष से लंबित आवेदन को तत्काल एसडीएम मैहर को निर्देशित किया गया।

कटनी जिले में शिक्षा व्यवस्था ध्वस्त

जर्जर स्कूल, सुविधाओं की कमी, और अधिकारियों की लापरवाही

सुनील यादव । सिटी चीफ
कटनी, कटनी जिले की शिक्षा व्यवस्था पटरी से उतर चुकी है। कहीं भवन नहीं है, तो कहीं शिक्षक नहीं है तो कहीं बच्चे नहीं है। विभाग प्रमुखों की सांठगांठ से सरकारी राशि का गोलमाल किया जा रहा है। इन सभी मुद्दों को लेकर जिला पंचायत उपाध्यक्ष एवं जिला शिक्षा समिति के सभापति अशोक विश्वकर्मा की अध्यक्षता में समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में शिक्षा विभाग से जुड़े मुद्दों को लेकर सभापति एवं सदस्यों ने अधिकारियों की जमकर क्लास ली। इस बैठक में पूरे समय सिर्फ और सिर्फ शिक्षा अधिकारियों से स्कूलों से मिलने वाली शिकायते जैसे स्कूल जर्जर स्कूलों के हुए फंड से क्या काम हुए और नही हुए है तो उस फंड के रूपयो का क्या किया गया। सभापति एवं सदस्यों ने दो टूक कहा कि जिले में एजुकेशन सिस्टम को मजाक बना दिया गया है।जरूरतमंदों को शिक्षा के अधिकार से वंचित रखने का काम अफसर कर रहे हैं और अपनी जेब भरने में लगे हुए हैं। सभापति अशोक विश्वकर्मा ने स्कूलों में शिक्षकों की अनुपस्थिति, शाला भवन जर्जर होने, गारंटी पीरियड के बावजूद स्कूलों के लिए राशि जारी करने, राज्य शिक्षा केन्द्र के संलग्नीकरण समाप्त करने के आदेश का पालन कराने सहित कई

अन्य मुद्दों को लेकर अधिकारियों की जमकर खिंचाई की। उन्होंने कहा कि बैठक में अधिकारी आधी अधूरी जानकारी लेकर आते हैं। जो जानकारी मांगी जाती, वो नहीं दी जाती। शिक्षा विभाग द्वारा ऐसी शालाओं को भी राशि जारी की गई, जो कि गारंटी पीरियड में बन रही है। इसको लेकर सभापति ने डीईओ से सवाल किया लेकिन डीईओ जानकारी नहीं दे पाए। इसके अलावा रीठी तहसील के बडगांव में पदस्थ एक महिला शिक्षिका द्वारा बच्चों की उत्तर पुस्तिकाएं लिखने को लेकर उन्होंने अधिकारियों की जमकर खिंचाई की। उन्होंने डीईओ से जबाव मांगा तो डीईओ ने कहा कि शिकायत की जांच शुरू हो गई है और शोकॉज नोटिस जारी किया गया है। बैठक में जिला पंचायत सदस्य प्रदीप त्रिपाठी, डीईओ पी पी सिंह, डीपीसी के के डेहरिया, बीईओ विजयराघवगढ़, एपीसी अभय जैन, बीईओ बहोरीबंद, बीआरसी बहोरीबंद, बीआरसीसी विजयराघवगढ़ सहित शिक्षा विभाग के अन्य अधिकारियों की उपस्थिति रही।जिला पंचायत सदस्य अजय गोटिया ने ढीमरखेड़ा विकासखंड के अंतर्गत खम्हरिया, भोपार सहित अन्य स्कूलों की जर्जर स्थिति का मुद्दा उठाया गया। जिस पर संबंधित अधिकारियों को भवन और भौतिक व्यवस्थाओं की सतत मॉनिटरिंग करते हुए कार्यवाही के निर्देश दिये गए। सभापति अशोक विश्वकर्मा ने निर्देश दिए कि सहायक संचालक राजेश अग्रहरि एवं एपीसी अभय जैन को मूल विभाग में वापस भेजा जाए। विद्यालयों में वाणिज्य संकाय शुरू करने के लिए डीपीआई को पत्र लिखा जाए। छात्रावासों में पदस्थ सहायक वार्डनों एवं उपयंत्रियों के स्थान परिवर्तन किए जाएं। स्कूलों में आवश्यकता न होते हुए भी मरम्मत एवं रखरखाव के लिए बजट जारी कर शासन की राशि का दुरुपयोग किए जाने का मुद्दा उठाते हुए मामले की जांच के निर्देश दिए। 4 वर्षों से अधिक समय से प्रतिनियुक्ति पर पदस्थ बीआरसीसी, बीएसी, सीएसी, एपीसी को राज्य शिक्षा केंद्र के निर्देशों के आधार पर पुनः काउंसलिंग कराए जाने, लिपिकों के स्थान परिवर्तन, बीआरसी कार्यालय ढीमरखेड़ा में पदस्थ लिपिक, भृत्य का प्रभार बदलने, विद्यालयों को दी गई 4 लाख रुपए की राशि की विद्यालय वार जानकारी नहीं दिए जाने को लेकर अधिकारियों की जमकर खिंचाई की गई। जिन प्राथमिक शालाओं में 20 से कम दर्ज संख्या है, उन शालाओं को बंद कर युक्तियुक्त करण हेतु समिति के समक्ष प्रस्ताव पारित किया गया। माध्यमिक शाला चनेहटा को बंद कर प्राथमिक विद्यालय में मर्ज किए जाने के निर्देश सभापति द्वारा दिये गए। इसके अलावा वर्ष 2018-19 से समस्त वित्तीय अभिलेख, स्टेटमेंट, निर्माण और मरम्मत की जानकारी सहित प्राचार्यों की बैठक का आयोजन किये जाने के निर्देश सभापति द्वारा दिये गए। माध्यमिक विद्यालय नदी पार के मुख्य द्वार एवं जर्जर छत के सुधार के निर्देश दिये गए।

जनसंपर्क के दौरान विधायक ने मांगी गांव गांव जाकर कार्य योजना

मैं आप लोगों की सेवा करने आया हूं अपने पैर छुबाने के लिए नहीं - विधायक प्रीतम सिंह लोधी

कुलदीप गुप्ता । सिटी चीफ शिवपुरी, शिवपुरी जिले के पिछोर विधानसभा के क्षेत्रीय विधायक प्रीतम सिंह लोधी ने अपने पांच दिवसीय जनसंपर्क कार्यक्रम के दौरान ग्राम पंचायत खुरई,कछौआ, घटवरा, मनका चंदूपहाड़ी, नाद, बमना, में पहुंचकर जनता की समस्याओं को सुना तथा उनके द्वारा दिए हुऐ आवेदनों को प्राप्त किया। ग्राम पंचायत नांद में जनसंपर्क के दौरान विधायक प्रीतम सिंह लोधी ने कहा कि मुझे आप लोगों ने जो प्यार स्नेह दिया है बो हम जिन्दगी में कभी भी नही भूलेंगे,मेरा खुद का कोई परिवार न होकर के भी यहां के आप जैसे सभी लोगों ने मुझे सम्मान से इस पिछोर विधानसभा क्षेत्र का विधायक बनाकर बिठाया है।अब मेरा फर्ज है कि मैं आप लोगों की सेवा करूं मैं आपकी सेवा करने आया हूं ना कि पैर छुवाने के लिए आज के बाद मेरे कोई भी व्यक्ति पैर नहीं छूएगा यदि जो व्यक्ति मेरे पैर छुयेगे मे उनका काम नहीं करूंगा। उन्होंने कहा है कि पिछोर विधानसभा के लिए हमारी सरकार द्वारा 100 करोड़ रूपये गांव तथा शहर में कार्य करने के लिए दिए गए हैं जो आज हम आप लोगों के बीच उपस्थित होकर आपके गांव में जो भी कार्य होना है, उसकी कार्य योजना तैयार कर हमे सौंपे ताकि आपके गांव को इसका लाभ मिल सके। आप लोग मुझे उन कार्यों को बताइए जिसकी आवश्यकता है,हम वादा करते हैं उन कार्यों को हम अवश्य पूरा करने का प्रयास करेंगे हम चाहते हैं कि हमारे क्षेत्र के दार्शनिक स्थल जैसे बिलरिया नाथ, पनरिया नाथ,गोलाकोट, लोहागढ़ तथा सीतापाठा जैसे यह हमारे क्षेत्र के रत्न है यदि हम इनको जिंदा कर लेंगे इनका सौन्दर्यकरण कर लेंगे उसके लिए मैं आप लोगों से आग्रह करने आया हूं कि उनकी सौंदर्य करने के लिए हम क्या-क्या कर सकते हैं इसका सुझाव दें, हमने पिछोर के किले का सौंदर्यकरण के लिए प्रयास किया है जहां एक खंडहर हुआ करता था आज उस किले का सौंदर्य करण कराया जा रहा है जिसमें तरह तरह की लाइटें तथा फुब्बारे लगाए जायेगे।

वेंटिलेटर पर शहर की सड़कें, दम तोड़ने को बेताब विकास, शहर सरकार और निगम

प्रशासन के नाकारापन से जनता आहत..

उमेश कुशवाहा । सिटी चीफ सतना, केंद्र सरकार के बेतरतीब सीवरेज प्रोजेक्ट ने सतना शहर की सड़कों को कब्रगाह में तब्दील कर दिया है। जहां देखो वहीं की सड़कें इस कदर धंस गई है कि लोगों का पैदल चलना भी खतरनाक साबित हो रहा है। शहर सरकार और निगम प्रशासन के नाकारापन की वजह से जनता जनार्दन बुरी तरह आहत जरुर है लेकिन विरोध करने का साहस नहीं दिखा रही है। शहर में मौजूद आवागमन की तमाम सड़कें वेंटिलेटर पर चल रही हैं और जुबानी विकास दम तोड़ने के लिए बेताब नजर आ रहा है। हर कालोनी में रहने वाले दो चार लोग इन दिनों चोटिल होकर अस्पताल की सेवाएं लेने के लिए मजबूर हो गए हैं। समझ में यह नहीं आता है कि जिस शहर में घटिया विकास को लेकर कीर्तिमान स्थापित किया गया है, वहां के महापौर को विदेश की धरती में इसी विकास के लिए सम्मानित किया जाता है। निस्संदेह शहर की यह दर्दनाक तस्वीरें देखकर अब लोग गलती से भी अपने यहां होने वाले बच्चे का नाम

शिवपुरी पुलिस द्वारा दो गौवंश तस्करों को जहरीली शराब के साथ दबोचा

देहात थाना पुलिस द्वारा एक आयसर गाड़ी मे 12 गौवंश मय, 10 लीटर जहरीली शराब कुल कीमत 16 लाख 60 हजार के साथ गिरफ्तार किया

कुलदीप गुप्ता । सिटी चीफ शिवपुरी, शिवपुरी पुलिस अधीक्षक द्वारा चलाये जा रहे अवैध मादक पदार्थों के विरुद्ध कार्यवाही करने के निर्देशन मे देहात थाना प्रभारी जितेन्द्र सिंह माबई एवं उनकी टीम के द्वारा मुखबिर की सूचना पर कृष्णा होटल के पास एबी रोड शिवपुरी से आरोपी सुमित गौड़ और दयाराम परमार के कब्जे से एक आयसर ट्रक में बूचडखाना जा रहे गौवंश 05 बैल, 05 बछडा, 02 सांड एवं 10 लीटर करीबन हाथ भट्ठी की बनी जहरीली शराब जिनकी कुल कीमत 16 लाख 60 हजार रुपये को जप्त कर आरोपियों को गिरफ्तार किया गया।

डीएम एवं एसएसपी ने लिया भूतेश्वर मंदिर में जलाभिषेक के लिए व्यवस्थाओं का जायजा

मंदिर में सुरक्षा एवं सफाई व्यवस्था का रहें पूर्ण प्रबंध

गौरव सिंघाल । सिटी चीफ सहारनपुर, जिलाधिकारी मनीष बंसल व वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रोहित सिंह सजवान द्वारा आगामी शिवरात्रि पर होने वाले जलाभिषेक के दृष्टिगत सफाई व्यवस्था एवं कावड़ियों की सुरक्षा व्यवस्था के तहत भूतेश्वर मंदिर में व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस अवसर पर डीएम मनीष बंसल एवं एसएसपी रोहित सजवान ने मंदिर में पूजा-अर्चना की। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी मनीष बंसल ने सभी संबंधित विभागों को निर्देश दिए कि श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। उन्होंने सभी शिवालयों में साफ-सफाई के साथ ही सुरक्षा की बेहतर व्यवस्था के निर्देश दिए। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रोहित सिंह सजवान ने कहा कि शिवालयों में आवश्यकतानुसार पुलिस कर्मियों की ड्यूटी लगा दी गयी है। उन्होंने सभी पुलिस क्षेत्राधिकारियों को निर्देश दिए कि अपने क्षेत्र में निरंतर भ्रमणशील रहे।

रैगांव विधानसभा की पूर्व विधायक कल्पना वर्मा ने पीड़ित आदिवासी परिवार के साथ मुख्यमंत्री से मिलने का मांगा समय

उमेश कुशवाहा । सिटी चीफ सतना, कल जिले के चित्रकूट में प्रदेश के मुखिया मोहन यादव आगमन हो रहा है उसी क्रम में झंडा गांव के पीड़ित आदिवासी परिवार के साथ हुये अन्याय के खिलाफ रैगांव विधानसभा की पूर्व विधायक कल्पना वर्मा ने पीड़ित आदिवासी परिवार के साथ मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से मिलने का समय मांगा है, पूर्व विधायक कल्पना वर्मा ने कहा है कि मुख्यमंत्री से मिलने के लिए हमने समय मांगा है लेकिन अभी तक उन्हें मिलने का समय नहीं दिया गया, कल्पना वर्मा ने सरकार पर हमला बोलते हुये कहा कि प्रदेश की सरकार लाडली बहनों को हर महीने राशि उपलब्ध कराती है साथ ही वही सरकार आदिवासी बहनो को उनके घर से बेघर करने का कार्य भी करती है, कल्पना वर्मा ने कहा कि जिस तरह से मुख्यमंत्री जी से मिलने का समय ना देना वह सरकार के डर को साफ तौर पर दर्शाता है, साथ ही कल्पना वर्मा ने चेतावनी देते कहा कि अगर प्रशासन मुख्यमंत्री जी से मिलने का समय नहीं देता है तो विरोध प्रदर्शन किया जाएगा जिसकी समस्त जिम्मेदारी शासन एवं प्रशासन की होगी..

एक महिला को उसके पति ने मारपीट कर घर से निकाला, दिया तीन तलाक

गौरव सिंघल । सिटी चीफ सहारनपुर । देवबंद, देवबंद क्षेत्र के मोहल्ला कायस्थवाड़ा में एक महिला को उसके पति ने मारपीट कर घर से बाहर निकाल दिया। पीडिता ने पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई करने की गुहार लगाई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार झारखंड के जिला पाकुर के थाना हिरनपुर ग्राम दराजमात निवासी रज्जाक अंसारी की पुत्री रुखसाना ने कोतवाली में दी तहरीर में बताया कि उसकी शादी 8 सितंबर 2023 को मोहल्ला कायस्थवाड़ा निवासी व्यक्ति के साथ हुई थी। आरोप है कि शादी के बाद ही पति और उसके तीन भाई उसके साथ नौकरों जैसा व्यवहार करते और गाली-गलौज करते हुए मारपीट करते थे। जब उसने इसका विरोध किया तो बीती 11 जुलाई को उक्त लोगों ने मारपीट कर उसे घर से निकाल दिया इसकी शिकायत उसने पुलिस से की। जिसकी जानकारी होने पर पति ने उसे तीन तलाक देकर रिश्ता खत्म कर दिया। पुलिस का कहना है कि तहरीर के आधार पर मामले की जांच की जा रही है।

शासन के आदेशों की उड़ी धज्जियां

रामपुर बाघेलान के सरकारी कार्यालयो में समय पर बड़े अधिकारि उपस्थित नहीं

उमेश कुशवाहा । सिटी चीफ सतना, सतना के रामपुर बाघेलान शासन के आदेश के अनुसार रामपुर में पदसथ बड़े अधिकारी समय पर उपस्थित ऑफिस कार्यालय में नहीं होते जिनमे एसडीम आर. एन. खरे, तहसीलदार साहब,जनपद पंचायत के सीईओ साहब,परियोजना अधिकारी नदारत रहे तथा इसी तरह बीएमओ साहब, सीएमओ साहब, आज पत्रकारों के लगभग 10ह 11-00 बजे के दौरान यह सभी अधिकारियों की कुर्सी खाली देखने को मिली इसी तरह शिक्षा विभाग के भी बड़े अधिकारियों की कुर्सी लगभग 11-00 बजे खाली मिली जिनमे सी.एम.राईज विद्यालय के प्रिंसिपल,तथा कन्या हायर सेकेंडरी स्कूल के प्रिंसिपल की कुर्सी लगभग 11-00 बजे के करीब खाली देखने को मिली,सवाल यह उठ रहा है,कि ऐसे जिम्मेदार अधिकारियों की कुर्सी अगर खाली रही आएगी तो शासन के आदेशों को चुनौती देते हुए सारासर धजिया उड़ रही है,तथा बेख्ख होकर यह सभी अधिकारी अपने मनमानी रुत बोसे बिना डर के काम कर रहे हैं, रामपुर तहसील के सबसे बड़े मालिक यानी कि अधिकारी एसडीएम साहब जिनके कंधों पर हर विभाग की जिम्मेदारी होती है कि औचक निरीक्षण कर इन सभी गैर जिम्मेदार अधिकारियों कोपहुंच कर खैर लेना चाहिए मगर महोदय स्वयं ही समय पर एसडीएम कार्यालय नहीं पहुंचते, इसी तरह रामपुर के सीएमओ साहब जब से इस कुर्सी पर बैठे हैं,अनेकों समस्याओं का नगर पंचायत में बाढ़ सी आ गई है गंदगी, मच्छर, भ्रष्टाचार चरम सीमा पर दिखाई देता है, सीएमओ साहब के अधीनस्थ उपयंती विश्वजीत कुशवाहा जी को तो कहना ही क्या है, उनका तो कोई कुछ कर ही नहीं सकता लगभग 20 वर्षों से रामपुर में कार्य कर रहे हैं तथा खेल खिलाने में माहिर हैं, आज निरीक्षण के दौरान लगभग 11-00 बजे उनके ऑफिस पर ताला लटका हुआ मिला, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में पदस्थ बीएमओ सतनामी साहब जी को तो कहना ही क्या है उनको तो अपने हॉस्पिटल में भी समय से आने की फुर्सत नहीं रोज बेचारे अमरपाटन से दौरा लगाकर प्रतिदिन फिर अमरपाटन के लिए शाम समय टू व्हीलर गाड़ी से निकल जाते, है शासन के आदेशानुसार चाहे जिला स्तर हो चाहे तहसील स्तर हो इस समय जो झोलाछाप डॉक्टरों की शहर से लेकर ग्रामीणों तक बाढ़ सी आ गई है,उनको जांच करने के पश्चात तुरंत कार्रवाई करना चाहिए मगर महोदय जी अभी तक एक भी किसी भी प्रकार की जांच इन झोलाछाप डॉक्टरों के ऊपर क्यों नहीं कर पाए सवालिया निशान लगते हैं, सतना जिले के माननीय कलेक्टर साहब अनुराग वर्मा जी को चाहिए कि इतने वफादार अधिकारी कर्मचारियों के ऊपर अंकुश लगाकर कार्रवाई करना चाहिए जिससे कि शासन के आदेशों का पालन हो सके तथा गरीब जनता का कार्य समय पर हो सके।

सतना में मनाई गई स्व. गया प्रसाद त्रिपाठी जी की 18वीं पुण्यतिथि

जरूरतमंदों को कराया गया भोजन

उमेश कुशवाहा । सिटी चीफ सतना, स्व. गया प्रसाद त्रिपाठी जी की 18वीं पुण्यतिथि पर उनके पुत्र अरुण व राजेश त्रिपाठी के द्वारा सरदार वल्लभभाई पटेल जिला चिकित्सालय में भर्ती मरीजों व उनके परिजनों हेतु सेवा संकल्प के माध्यम से भोजन प्रसाद की व्यवस्था की गई है। बुधवार को जिला चिकित्सालय में स्थित सेवा संकल्प में पहुंचकर उनके परिजनों इष्ट मित्रों के द्वारा स्व.गया प्रसाद त्रिपाठी जी के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया व उनके बताए गए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया श्रद्धांजलि कार्यक्रम में वरिष्ठ समाज सेविका श्रीमती मनीषा सिंह ने कहा कि राजेश त्रिपाठी नीलू जिला मीडिया प्रभारी भाजपा किसान मोर्चा के पिताजी को हम श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं। ऐसा कहा गया है कि किसी भूखे को भोजन करने से पवित्र कर इस संसार में दूसरा कार्य नहीं है। राजेश त्रिपाठी नीलू ने कहा कि पिताजी की पुण्यतिथि पर आज जरूरतमंदों असहयों को फल,भोजन प्रसाद की व्यवस्था त्रिपाठी परिवार द्वारा की गई है जरूरतमंदों को भोजन प्रसाद करवाने से हमें संतुष्टि की प्राप्ति होती है। भूखे व्यक्ति की संतुष्टि से हमें साक्षात् नारायण भगवान के दर्शन का पुण्य की प्राप्ति होती है। आम जनमानस से अपील करता हूं कि इसी तरह के समाज सेवा के कार्य करते रहें। नर सेवा ही नारायण की सेवा है इसी भाव को लेकर समाज में अंतिम पंक्ति के अंतिम व्यक्ति के लिए सेवा से नारायण की सेवा है। आज के कार्यक्रम में प्रमुख रूप से अरुण त्रिपाठी, राजेश त्रिपाठी नीलू, ऋषिकेश त्रिपाठी वीरेंद्र त्रिपाठी प्रियंक त्रिपाठी आशीष त्रिपाठी नमो त्रिपाठी सनत त्रिपाठी प्रणेश मिश्रा श्रीमती मनीषा सिंह श्रीमती कीर्ति रटवानी श्रीमती रश्मि सैनी अनिल सैनी विजय सिंह पटेल नितिन मिश्रा एवं त्रिपाठी परिवार के परिवारजन समाजसेवी उपस्थित रहे।

सर्किट हाउस में आयोजित हुई अखिल भारतीय उपभोक्ता उत्थान संगठन की बैठक

बैठक में संगठन जिला अध्यक्ष बृजेश गर्ग सोनू, जिला कार्यकारी अध्यक्ष अरुण सिंह, वरिष्ठ उपाध्यक्ष, सहेंद्र सिंह सहित अन्य सदस्य मौजूद रहे.

उमेश कुशवाहा। सिटी चीफ सतना, विधि और न्याय मामले में भारत सरकार मंत्रालय द्वारा मान्यता प्राप्त अखिल भारतीय उपभोक्ता उत्थान संगठन सतना की अति आवश्यक बैठक आज सर्किट हाउस में संपन्न हुई जिसमें जिले के संगठन के पदाधिकारी गण शामिल हुए , बैठक में संगठन द्वारा पिछले दिनों उपभोक्ताओं की जागरूकता के लिए बनाई गई मिलावट पर डॉक्यूमेंट्री फिल्म बाजार की जूस पर रिलीजिंग के विषय में विस्तृत चर्चा हुई और उसकी रिलीजिंग की रूपरेखा बनाई गई, संगठन के संरक्षक सदस्य शशांक सिंह सोनौरा ने बताया कि संगठन के सदस्यों ने योजना बनाई कि संगठन के पदाधिकारी जल्द ही जिले के आला अधिकारियों से मिलकर अगस्त महीने के दूसरे पखवाड़े में फिल्म ओपनिंग की तिथि निर्धारित कर फिल्म की शुरुआत की जाएगी इसके बाद उसे बाजार में विभिन्न माध्यमों से प्रदर्शित किया जाएगा जिसे सभी उपभोक्ता देख सकेंगे और अपने जीवन के हितों की रक्षा कर सकेंगे, शशांक सिंह ने बताया कि प्रदेश में ही नहीं बल्कि देश में ऐसा पहली बार हो रहा है कि जब किसी समाजसेवी संस्था द्वारा उपभोक्ताओं को जागरूक करने के लिए डॉक्यूमेंट्री फिल्म बनाई गई है और सरकार को समर्पित की जा रही है क्योंकि मानव सेवा ही नारायण सेवा है, जिला अध्यक्ष बृजेश गर्ग ने बताया कि संगठन का एक दल नगर निगम के महापौर श्री योगेश ताम्रकार से मिलकर फिल्म के रिलीजिंग के विषय में विस्तृत चर्चा की है जिनकी तिथि जल्द ही निर्धारित कर दी जाएगी इस दौरान संगठन के जिला अध्यक्ष बृजेश गर्ग सोनू जिला कार्यकारी अध्यक्ष अरुण सिंह वरिष्ठ उपाध्यक्ष सहेंद्र सिंह उपाध्यक्ष विजय राज सिंह गहरवार जिला संगठन मंत्री उमेश सिंह पप्पू महिला विंग की अध्यक्ष सविता जैन महिला विंग की उपाध्यक्ष सीमा बागरी संगठन मंत्री उमा सिंह कोषाध्यक्ष शंकर मिश्रा प्रवक्ता कृष्णेंद्र सिंह संरक्षक शशांक सिंह जिला मंत्री कृष्णभान सिंह तिलकराज सिंह गजेंद्र सिंह मुरारी सिंह सज्जनपुर एवं गुलाब दहिया सहित अन्य सदस्य मौजूद रहे।

महापौर, जिलाधिकारी, एसएसपी एवं नगरायुक्त ने कांवड़ियों पर पुष्प वर्षा कर किया अभिनंदन एवं स्वागत

कांवड़ मित्रों के विशेष दस्ते को छाते प्रदान कर किया गया रवाना

गौरव सिंघल। सिटी चीफ सहारनपुर, जनपद सहारनपुर के प्रमुख चौराहे घण्टाघर पर महापौर डॉ.अजय कुमार, जिलाधिकारी मनीष बंसल, नगरायुक्त संजय चौहान व एसएसपी रोहित सजवान सहित जिले के प्रशासनिक-पुलिस व निगम के अधिकारियों तथा पार्षदों ने कांवड़ यात्रा में शामिल शिवभक्तों पर पुष्प वर्षा कर उनका अभिनंदन और स्वागत किया। इस अवसर पर अधिकारियों द्वारा नगर निगम द्वारा कांवड़ सेवा शिविरों की सफाई व्यवस्था को और सुदृढ़ करने के लिए कांवड़ मित्र नाम से गठित क्विक रेस्पॉस टीम को छाता प्रदान कर शिविरों के लिए रवाना किया। स्मार्ट सिटी की ओर से यातायात व्यवस्था को नियंत्रित करने के लिए ट्रैफिक पुलिस को दिये गए एक हजार ट्रैफिक कोन भी प्रतीक रुप में एस पी ट्रैफिक सिद्धार्थ वर्मा को महापौर डॉ. अजय कुमार व नगरायुक्त संजय कुमार द्वारा भेंट किये गए। महापौर डॉ.अजय कुमार ने कहा कि कांवड़ यात्रा सांस्कृतिक राष्ट्रवाद का पर्व है। इस पर्व को निर्विघ्न एवं सौल्लास सम्पन्न कराने के लिए नगर निगम ने इस वर्ष अनेक नयी पहल की हैं। इस पर्व को पूरी तरह पॉलीथिन व प्लास्टिक मुक्त रखा गया है। जिलाधिकारी मनीष बंसल ने आयोजन के लिए नगर निगम टीम को बधाई देते हुए कहा कि जिला प्रशासन, पुलिस व नगर निगम सहित विभिन्न विभागों के साथ मिलकर कावंड़ यात्रा को बड़े सुनियोजित रुप से सम्पन्न करा रहा है, इसमें कांवड़ शिविर संचालकों एवं आमजन के सहयोग के लिए उन्होंने आभार जताया। उन्होंने कहा कि दो अगस्त को जल चढ़ेगा उसके लिए भी सारी टीमें पूरी शिद्दत से लगी हैं। कंट्रोल रुम से पूरी यात्रा पर नजर रखी जा रही है। नगरायुक्त संजय चौहान ने नगर निगम द्वारा कांवड़ यात्रा को ऐतिहासिक बनाने के लिए की गयी व्यवस्थाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि इस वर्ष निगम ने पेयजल, सफाई, प्रकाश और शौचालय पर विशेष ध्यान देते हुए व्यवस्थाएं की है। शिविरों में सफाई के लिए एक विशेष दस्ता क्विक रेस्पॉस टीम के रुप में गठित किया है जिसे आज यहां से रवाना किया जा रहा है। इससे पूर्व सभी उपस्थित पार्षदों ने महापौर व सभी अधिकारियों का बुके भेंट कर स्वागत किया। कांवड़ सेवक संघ की ओर से पार्षद मुकेश गक्खड़, संजय फुटेला, राजकुमार मक्कड़, रवि जुनेजा, यशपाल त्रेहन आदि ने पटका पहनाकर स्वागत किया। इस अवसर पर एसपी सिटी अभिमन्यु मांगलिक, एडीएम प्रशासन डॉ. अर्चना द्विवेदी, एडीएम वित्त रजनीश मिश्र, सिटी मजिस्ट्रेट गजेंद्र सिंह, एसपी ट्रैफिक सिद्धार्थ वर्मा, एसडीएम दीपक कुमार, अपर नगरायुक्त राजेश यादव व मृत्युंजय सहित नगर निगम के सभी अधिकारी, दल नेता संजय गर्ग सहित बड़ी संख्या में मौजूद पार्षदों ने भी कांवड़ियों पर पुष्प वर्षा की।

किरायदार ने मकान मालकिन के घर में घुसकर की मारपीट

हालत बेहद खराब, नागौद से जिला अस्पताल सतना भेजा

उमेश कुशवाहा। सिटी चीफ नागौद, नागौद खेरवा टोला की रहने वाली लक्ष्मी साहू जो की किराए के मकान देकर अपना गुजर बसर करती हैं। इसी तरह लक्ष्मी साहू ने राजन सोनी को भी किराए पर अपना मकान दिया था लेकिन आरोपी राजन सोनी विगत कई माह से मकान का किराया नहीं दिया कई बार लक्ष्मी साहू ने मकान का किराया मांगा साथ ही घर खाली करने को कहा जिस पर आरोपी राजन सोनी नहीं माना जिस पर लक्ष्मी साहू ने मौखिक रूप पर थाना नागौद मे जाकर राजन सोनी की शिकायत घर खाली करने व किराए दिलाए जाने की शिकायत मौखिक रूप पर नागौद थाना पर की थी। लेकिन राजन सोनी बिगत दिनों रातों-रात घर खाली कर बिना किराए दिए चला गया जिससे राजन सोनी लक्ष्मी साहू से खुन्नत खाने लगा इसी बात को लेकर कल रात्रि 12-00 बजे राजन सोनी व दो अन्य साथियों के साथ लक्ष्मी साहू के घर के बाहर खड़े होकर दरवाजा खटखटाने लगा जिससे लक्ष्मी साहू ने दरवाजा खोला दरवाजा खुलते ही राजन सोनी व उनके अन्य साथी घर के अंदर घुसकर दरवाजा बंद कर लक्ष्मी साहू के साथ जमकर मारपीट की और और लक्ष्मी साहू के बच्चों के मुंह पर रुमाल बांद दी और बच्चों को कहा गया अगर हल्ला किया तो तुम्हारी मां को जान से खत्म कर देंगे लक्ष्मी साहू जो की नागौद खेरवा टोला के रहने वाली है लक्ष्मी साहू के गुप्तांग तक में डंडा से वार किया गया जिससे लक्ष्मी साहू हल्ला गुहार मचाई तो बगल के किराएदार आए इतने में तीनों आरोपी फोर व्हीलर गाड़ी में बैठकर भाग गए जिसमें पीड़ित लक्ष्मी साहू थाना नागौद रिपोर्ट दर्ज कराई साथ ही थाना नागौद सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नागौद में दिखाए लेकिन लक्ष्मी साहू की हालत बेहद खराब होने के कारण उन्हें तत्काल जिला अस्पताल सतना भेजा गया जहां उनका उपचार सर्जिकल वार्ड नंबर 2 में चल रहा है.

कोचिंग सेंटर के बेसमेंट में डूबकर तीन छात्रों की मौत पर हाईकोर्ट ने अफसरों को लगाई फटकार

दिल्ली कोचिंग हादसा अफसरों की मिलीभगत से हुआ

नई दिल्ली। दिल्ली के राजेंद्र नगर में कोचिंग सेंटर के बेसमेंट में तीन छात्रों की मौत के मामले में बुधवार को दिल्ली हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। कोर्ट ने कोचिंग सेंटर के बेसमेंट में डूबकर हुई तीन छात्रों की मौत पर अधिकारियों को फटकार लगाई और कहा कि जब मुफ्तखोरी की संस्कृति के कारण कर संग्रह नहीं होता है तो ऐसी दुर्घटनाएं होती ही रहती हैं। कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश मनमोहन की अध्यक्षता वाली पीठ ने सख्त टिप्पणी करते हुए कहा कि एक अजीब जांच चल रही है, जिसमें कार चलाने वाले राहगीर के खिलाफ पुलिस कार्रवाई कर रही है, लेकिन एमसीडी अधिकारियों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है। अदालत ने पूछा कि क्या अब तक किसी एमसीडी अफसर को हिरासत में लिया गया है? साथ ही यह भी पूछा कि क्या इस मामले में एमसीडी के अधिकारियों की जांच हुई? बेंच ने कहा कि इस तरह की घटनाएं सिस्टम की नाकामी है। यह सब अफसरों की मिलीभगत से हुआ है। सभी ब्लेम-गेम खेल रहे हैं। किसी एक की जिम्मेदारी तय करनी होगी। एमसीडी अधिकारियों से पूछो कि नाली कहां है तो नहीं बता पाएंगे, क्योंकि वे अपने एसी ऑफिस से बाहर ही नहीं निकलते। जूनियर

अफसरों को सस्पेंड करके कुछ नहीं होगा।

बहुमंजिला इमारतों में जलनिकासी नहीं- अदालत ने कहा कि बहुमंजिला इमारतों को चलने दिया जा रहा है, लेकिन उचित जल निकासी नहीं है। न्यायमूर्ति तुषार राव गेडेला की पीठ ने कहा कि आप मुफ्तखोरी की संस्कृति चाहते हैं, कर संग्रह नहीं करना चाहते, ऐसा होना तय है। अधिकारियों पर कटाक्ष करते हुए अदालत ने कहा कि उन्हें बुनियादी ढांचे का निर्माण करने की जरूरत है, लेकिन वे दिवालिया हैं और वेतन भी नहीं दे सकते।

पुलिस की मिलीभगत से अनधिकृत निर्माण- याचिकाकर्ता ट्रस्ट कुटुंब का प्रतिनिधित्व करने वाले अधिवक्ता रुद्र विक्रम सिंह ने तर्क दिया कि राजेंद्र नगर की घटना नई नहीं है, उन्होंने मुखर्जी नगर और विवेक विहार में आग की घटनाओं का जिक्र किया। याचिकाकर्ता के वकील ने कहा कि शहर में पहले आग की घटनाएं हुईं। अब पानी में डूबने से जान गई। ऐसा लगता है कि हम जंगल में रहते हैं, जहां आग और पानी से लोग मर रहे हैं। वहीं, सरकारी वकील ने कोर्ट में जानकारी दी कि अधिकारी जांच कर रहे हैं। करीब 75 संस्थानों को नोटिस दिए जा चुके हैं। 35 को बंद किया गया है। 25 को सील कर किया गया है। इस पर अदालत ने कहा कि ओल्ड राजेंद्र नगर में जल निकासी की अच्छी व्यवस्था नहीं है। पुलिस की मिलीभगत से अनधिकृत निर्माण होते हैं। अनाधिकृत निर्माण इसके बिना नहीं हो सकते। सभी अधिकारी केवल जिम्मेदारी एक-दूसरे पर डालने में रुचि रखते हैं।

किसी की नौकरी जाते नहीं देखा- कोर्ट ने पूछा कि उस इलाके में कैसे इतना पानी जमा हो गया? जब अफसरों ने इमारत को अधिकृत किया तो क्या उन्हें इसकी जानकारी नहीं थी? कोर्ट ने कहा कि एमसीडी के वरिष्ठ अफसर अपने एसी कार्यालयों से बाहर नहीं निकल रहे हैं, अगर ये नालियां ढकी थीं तो फिर ढक्कन क्यों नहीं हटाए? कोर्ट ने कहा कि आज अगर आप एमसीडी अफसर से नालियों की योजना बनाने के लिए कह दें तो वो ऐसा नहीं कर पाएंगे। अधिकारियों को यह नहीं पता कि नालियां कहां हैं, सब कुछ मिलाजुला है। कोर्ट ने कहा कि हमने कार्रवाई के बाद अब तक एमसीडी में किसी को भी अपनी नौकरी से जाते नहीं देखा है। इमारतें ध्वस्त हो रही हैं, लेकिन क्या एमसीडी में इसके कारण किसकी नौकरी गई है?

एसी दफ्तरों से बाहर नहीं निकलते अधिकारी- एमसीडी ने अपने सबसे जूनियर अधिकारी को सस्पेंड कर दिया, लेकिन उस वरिष्ठ अधिकारी का क्या, जिसने निगरानी का अपना काम नहीं किया है? कभी-कभी वरिष्ठ अधिकारियों को भी आना पड़ता है और कबूल करना पड़ता है। लेकिन वो अपने एसी दफ्तरों से बाहर नहीं निकलते। अदालत ने ड्रेनेज सिस्टम को लेकर भी सवाल उठाए। आगे कहा कि दिल्ली की आबादी 3.30 करोड़ के करीब हो चुकी है, लेकिन सुविधाओं के नाम पर कुछ नहीं है।

रिटायर्ड आईएएस प्रीति सूदन बनीं यूपीएससी की चेयरमैन

आज संभालेंगी कार्यभार

नई दिल्ली। यूपीएससी के नए चेयरमैन की नियुक्ति हो गई है। सरकार ने रिटायर्ड आईएएस अधिकारी प्रीति सूदन को यूपीएससी का नया चेयरमैन नियुक्त किया गया है। प्रीति सूदन कल यानी 1 अगस्त से अपना कार्यभार संभालने वाली हैं। यूपीएससी की नई चेयरमैन बनने से पहले वो कई सरकारी विभागों में काम कर चुकी हैं। इसके साथ ही प्रीति सूदन ई-सिगरेट को बंद करने के दौरान भी काफी चर्चा में आई थीं। प्रीति सूदन 1983 बैच की आईएएस हैं और चार साल पहले ही रिटायर हुई हैं। अपने करियर में उन्होंने महिला और बाल विकास मंत्रालय से लेकर रक्षा मंत्रालय तक में काम किया है। कोरोना के वक्त प्रीति सूदन भारत सरकार की स्वास्थ्य सचिव पद पर थीं। उस दौरान उन्होंने कोविड महामारी के दौरान इससे निपटने में मुख्य रणनीति बनाई थी। बता दें कि प्रीति सूदन साल 2017 के अक्टूबर से जुलाई 2020 तक स्वास्थ्य सचिव के तौर पर कार्यरत रही थीं।

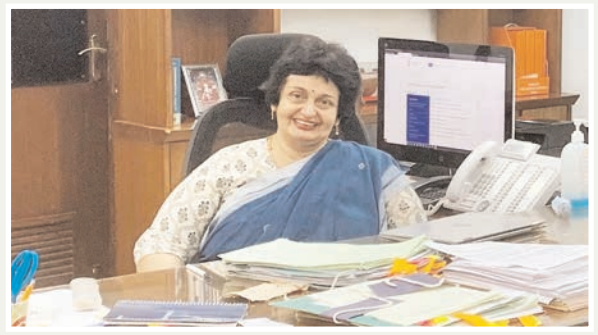

यूपीएससी की नई चेयरमैन हरियाणा की बेटी हैं। उन्होंने लंदन के स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स से एम.फिल किया है। वे अर्थशास्त्र में एम.फिल और सामाजिक नीति और योजना में एमएससी हैं। प्रीति सूदन ने साल 1983 में यूपीएससी की परीक्षा पास की थी और आंध्र प्रदेश कैडर में आईएएस अधिकारी बन गई थीं। प्रीति सूदन ने उस वक्त यूपीएससी के चेयरमैन की कमान संभाली है जब ट्रेनी आईएएस पूजा खेडकर के मामले ने देशभर में सनसनी मचा रखी हैं।

प्रीति सूदन ने अपने करियर में कई विभागों में काम किया है और हर विभाग में उन्होंने कुछ ऐसा कर दिखाया जो कभी भी नहीं भूला जा सकता है। केंद्र सरकार के कई योजनाओं में उनका मुख्य योगदान रहा है। आयुष्मान भारत योजना, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ में प्रीति सूदन की अहम भूमिका रही है। वहीं प्रीति सूदन ने विश्व बैंक में कंसल्टेंट के तौर पर भी काम किया है।

पूजा खेडकर से छिनी अफसरी यूपीएससी ने रद्द की उम्मीदवारी

सरकारी नौकरी के लिए हुईं अयोग्य

नई दिल्ली। विवादों में फंसी प्रशिक्षु आईएएस अधिकारी पूजा खेडकर पर संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) ने बड़ी कार्रवाई की है। यूपीएससी ने पूजा खेडकर की उम्मीदवारी को रद्द कर दिया है। इसके साथ आयोग ने पूजा को भविष्य में किसी भी सरकारी परीक्षा में शामिल होने पर भी रोक लगा दी है। आयोग ने पूजा खेडकर पर यह कार्रवाई सभी दस्तावेजों की सावधानीपूर्वक जांच के बाद की है। उन्हें सीएसई-2022 नियमों के प्रावधानों के उल्लंघन में दोषी पाया गया है। मालूम हो कि इससे पहले संघ लोक सेवा आयोग ने संकेत दिए थे कि अगर पूजा खेडकर मामले में दोषी पाई जाती हैं तो उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। मालूम हो कि धोखाधड़ी और जालसाजी के एक मामले में दिल्ली की एक अदालत आरोपी भारतीय प्रशासनिक सेवा की प्रशिक्षु अधिकारी पूजा खेडकर की अग्रिम जमानत अर्जी पर एक

अगस्त को फैसला सुना सकती है। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश देवेंद्र कुमार जंगला ने बुधवार को खेडकर द्वारा दायर अर्जी पर दलीलें सुनने के बाद आदेश सुरक्षित रख लिया। पूजा खेड़कर पर आरोप है कि उन्होंने यूपीएससी की सीएसई परीक्षा पास करने के लिए अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) और दिव्यांग कोटा का दुरुपयोग किया। इस मामले में यूपीएससी ने खेड़कर के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की थी। उनके चयन को रद्द करने पर उन्हें कारण बताओ नोटिस भी जारी किया है और उन्हें भविष्य में परीक्षाएं देने से भी रोक दिया है।

श्रीकृष्ण जन्मभूमि व शाही ईदगाह विवाद मामले में फैसला आज

नई दिल्ली। श्रीकृष्ण जन्मभूमि व शाही ईदगाह विवाद मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट बृहस्पतिवार को फैसला सुनाएगा। वाद की पोषणीयता को लेकर न्यायमूर्ति मयंक कुमार जैन की अदालत में सुनवाई चल रही थी। दोनों पक्षों की दलीलें पूरी होने के बाद कोर्ट ने फैसला 31 मई 2024 को सुरक्षित कर लिया था। श्रीकृष्ण जन्मभूमि और शाही ईदगाह मस्जिद विवाद से जुड़े 18 सिविल वादों की इलाहाबाद हाईकोर्ट में एक साथ चल रही सुनवाई में मुस्लिम पक्ष ने लिखित बहस दाखिल की थी। मुस्लिम पक्ष के वकीलों ने कहा कि मौजूदा 18 सिविल वादों में एक भी वादी के पास प्रश्नगत संपत्ति के संबंध में वाद दाखिल करने की विधिक हैसियत नहीं है। न तो ये श्रीकृष्ण जन्मभूमि ट्रस्ट के ट्रस्टी हैं और न ही बनारस के राजा पटनीमल, महामना पंडित मदन मोहन मालवीय, गोस्वामी गणेशदत्त और भीखनलाल के वंशज हैं। किसी भी सिविल वाद में इनके वंशजों को पक्षकार भी नहीं बनाया गया है। मामले की सुनवाई न्यायमूर्ति मयंक कुमार जैन की एकल पीठ कर रही थी। सिविल वाद की पोषणीयता को लेकर हिंदू और मुस्लिम पक्षकारों की ओर दिन प्रतिदिन चल रही बहस में सुप्रीम कोर्ट की अधिवक्ता तसनीम अहमदी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये तो शाही ईदगाह की ओर से अहमद और वक्फ बोर्ड की ओर से अफजाल अहमद दलीलें दे रहे हैं। बृहस्पतिवार को तीन घंटे चली सुनवाई के दौरान मुस्लिम पक्ष की ओर से सिविल वाद के वादियों ने विधिक हैसियत पर सवाल खड़े किए गए। दलील दी गई कि 1947 के पहले से ही श्रीकृष्ण जन्मभूमि मंदिर, ईदगाह के रास्ते और सीमाएं अलग-अलग हैं। मंदिर में प्रतिदिन पूजा हो रही है तो मस्जिद में नमाज पढ़ी जा रही है। जन्मभूमि ट्रस्ट और शाही ईदगाह प्रबंधन के बीच कोई विवाद नहीं है। दशकों बाद वादियों की ओर से बिना किसी विधिक हैसियत के सिविल वाद दाखिल किया गया, जो पोषणीय नहीं है। वादी पीड़ित पक्षकार नहीं है। निर्विवादित स्थल के धार्मिक चरित्र को जानबूझकर विवादित बनाने की कोशिश की जा रही है। हालांकि, हिंदू पक्षकारों का दावा है कि श्रीकृष्ण लला विराजमान का विधिक अस्तित्व है। वह उनके भक्त हैं। इसलिए उन्हें वाद दाखिल करने का हक है। इलाहाबाद हाईकोर्ट में बृहस्पतिवार को श्रीकृष्ण जन्मभूमि व शाही ईदगाह विवाद मामले की सुनवाई हुई थी। इस दौरान मंदिर पक्षकार की ओर से कहा गया था कि सरकारी दस्तावेजों में शाही ईदगाह के नाम से कोई संपत्ति नहीं है। ये अवैध तरीके से काबिज है।

ईरान लेगा इस्माइल हानिया की मौत का बदला

सुप्रीम लीडर अली खामेनेई ने इजरायल पर हमला करने का दिया आदेश

नेशनल डेस्क। ईरान के सुप्रीम लीडर अयातोल्लाह अली खामेनेई ने इजरायल के खिलाफ हमला करने का आदेश दिया है। यह आदेश इजरायल द्वारा हमास के प्रमुख इस्माइल हानिया की हत्या के बाद आया है। हानिया 7 अक्टूबर 2023 को हुए हमले के बाद 31 जुलाई 2024 को तेहरान में मारे गए थे। इजरायल ने इस समय हानिया को निशाना बनाते हुए हमला किया था, जब वह ईरान की राजधानी में मौजूद थे। ईरान के सुप्रीम लीडर अली खामेनेई ने इस हमले का बदला लेने की घोषणा की है। उन्होंने ईरान की राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद की आपात बैठक के बाद यह आदेश जारी किया। हालांकि, अभी यह स्पष्ट नहीं है कि ईरान का हमला किस प्रकार का होगा। इजरायल पर ड्रोन और मिसाइल हमलों की संभावना जताई जा रही है। इसके साथ ही, ईरान अपने सहयोगी देशों की मदद से भी हमला कर सकता है। खामेनेई ने हानिया की हत्या के बाद कहा था कि वे इस हमले का बदला जरूर लेंगे क्योंकि यह घटना उनके क्षेत्र में हुई है। ईरान और हमास दोनों ने इस हत्या के लिए इजरायल को जिम्मेदार ठहराया है, लेकिन

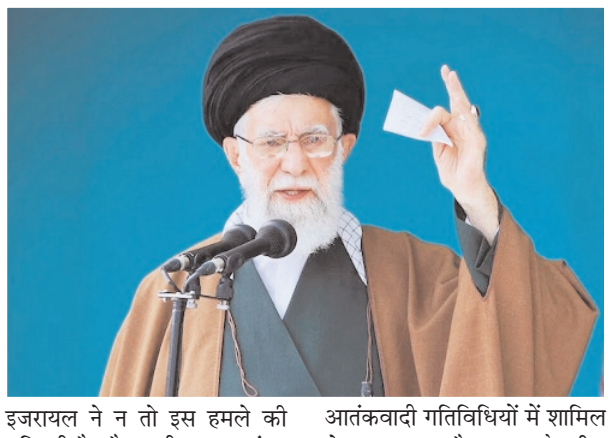

इजरायल ने न तो इस हमले की पुष्टि की है और न ही इसका खंडन किया है। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा है कि अगर ईरान के द्वारा कोई हमला हुआ, तो इसके गंभीर परिणाम भुगतने होंगे। नेतन्याहू का यह बयान हानिया की मौत के बाद आया है। हमास के प्रमुख इस्माइल हानिया दोहा, कतर में रह रहे थे और वहीं से संगठन की गतिविधियाँ संभाल रहे थे। इजरायल की ओर से पिछले कुछ महीनों में हानिया के तीन बेटों की भी हत्या की गई थी। इजरायल ने गाजा पट्टी में एयरस्ट्राइक कर हानिया के बेटों को मारा था। इजरायल का कहना है कि ये लोग आतंकवादी गतिविधियों में शामिल थे। इजरायल और हमास के बीच संघर्ष 7 अक्टूबर 2023 से जारी है। उस दिन हमास ने इजरायल पर हमला किया, जिसमें 1200 से अधिक लोग मारे गए थे और 250 नागरिकों को बंधक बना लिया था। इजरायल का कहना है कि उन्होंने इस ऑपरेशन में 14,000 से अधिक हमास लड़ाकों को मार गिराया है। दूसरी ओर, हमास का दावा है कि इजरायली हमलों में 39,000 से ज्यादा फिलिस्तीनी नागरिकों की मौत हो चुकी है। इस तनावपूर्ण स्थिति में दुनिया भर की निगाहें इस संघर्ष की ओर लगी हुई हैं, और यह देखना होगा कि ईरान का अगला कदम क्या होगा।

हिज्बुल्लाह कमांडर का भी किया काम तमाम, साथी तलाश रहे शव

मंगलवार को बेरूत पर एक अप्रत्याशित हमले के बाद एक हिज्बुल्लाह कमांडर को मार गिराने का दावा किया। इससे पहले ईरान के अर्धसैनिक बल 'रिवोल्यूशनरी गार्ड ने बताया कि इजराइल ने तेहरान में हमास नेता इस्माइल हनियेह की हत्या कर दी है। हिज्बुल्लाह कमांडर कथित तौर पर सप्ताहांत में इजराइल नियंत्रित गोलान हाइट्स में रॉकेट हमले के लिए जिम्मेदार था। इस हमले में 12 लोग मारे गए थे। हिज्बुल्लाह ने अपने कमांडर की मौत की पुष्टि नहीं की है। बेरूत पर इजराइल के हमले में एक महिला और दो बच्चों की भी मौत हुई है तथा दर्जनों अन्य लोग घायल हुए हैं। लेबनान के उग्रवादी समूह हिज्बुल्लाह ने बुधवार को कहा कि वह बेरूत में इजराइल के हवाई हमले में मारे गए अपने एक शीर्ष सैन्य कमांडर के शव की अभी भी तलाश कर रहा है। इजराइल द्वारा हिज्बुल्लाह कमांडर फौद शुकुर को निशाना बनाकर किए गए हवाई हमले के बाद यह ईरान समर्थित उग्रवादी समूह की पहली टिप्पणी है।एक इजराइली अधिकारी ने कहा कि उनका निशाना फौद शुकुर था, जो हिज्बुल्लाह का एक शीर्ष सैन्य कमांडर है और जिसे अमेरिका लेबनान की राजधानी में 1983 के घातक बम विस्फोट की साजिश रचने और उसे अंजाम देने का दोषी मानता है। शुकुर पर कई अन्य हमलों में भी शामिल होने का संदेह है, जिनमें इजराइली नागरिक मारे गए थे। हालांकि, हिजबुल्लाह ने शनिवार को मजदल शम्स शहर में हुए रॉकेट हमले में शामिल होने से इनकार किया है, लेकिन इजराइल इस आतंकवादी समूह को इसके लिए जिम्मेदार ठहरा रहा है। मंगलवार के हमले के तुरंत बाद इजराइल के रक्षा मंत्री योआव गैलेंट ने 'एक्स पर पोस्ट किया, हिजबुल्लाह ने लक्ष्मण रेखा पार कर ली है। गाजा में जारी युद्ध की पृष्ठभूमि में पिछले 10 महीनों से दोनों पक्ष लगभग रोज हमले कर रहे हैं, लेकिन यह संघर्ष अब तक व्यापक स्तर पर नहीं था और इसके पूर्ण युद्ध में बदलने की आशंका नहीं थी।

लाइफ और हेल्थ बीमा प्रीमियम पर जीएसटी के खिलाफ गडकरी

नई दिल्ली। संसद के दोनों सदनों में बजट 2024 पर चले हंगामे के बीच केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण को पत्र लिखा है। उन्होंने वित्तमंत्री से जीवन एवं चिकित्सा बीमा प्रीमियम पर 18 प्रतिशत की दर से वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) हटाने का अनुरोध किया है। नागपुर मंडल जीवन बीमा निगम कर्मचारी संघ ने गडकरी को बीमा उद्योग के मुद्दों के संबंध में एक ज्ञापन सौंपा था। इसी को लेकर उन्होंने वित्तमंत्री को पत्र लिखने का फैसला लिया। ज्ञापन का हवाला देते हुए परिवहन मंत्री ने कहा कि जीवन बीमा प्रीमियम पर जीएसटी लगाना जीवन की अनिश्चितताओं पर कर लगाने के बराबर है।

कर्मचारी संघ का मानना है कि जो व्यक्ति परिवार को सुरक्षा देने के लिए जीवन की अनिश्चितताओं के जोखिम को कवर करता है, उससे कवर खरीदने के लिए प्रीमियम पर कर नहीं लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि इसके अलावा कर्मचारी संघ द्वारा उठाया गया मुख्य मुद्दा जीवन तथा चिकित्सा बीमा प्रीमियम पर जीएसटी को हटाने से संबंधित है। जीवन बीमा और चिकित्सा बीमा प्रीमियम दोनों पर 18 प्रतिशत जीएसटी दर लागू है। उन्होंने कहा कि इसी प्रकार चिकित्सा बीमा प्रीमियम पर 18 प्रतिशत जीएसटी इस व्यवसाय खंड के विकास में बाधक साबित हो रहा है, जो सामाजिक रूप से आवश्यक है। इसलिए आपसे अनुरोध है कि जीवन तथा चिकित्सा बीमा प्रीमियम पर जीएसटी हटाने के सुझाव पर प्राथमिकता से विचार करें, क्योंकि नियमों के अनुसार उचित सत्यापन के बाद वरिष्ठ नागरिकों के लिए यह बोझिल हो जाएगा।

चारधाम यात्रा बाधित... गंगोत्री हाईवे पर आय भारी मलबा बोल्डर, फंसे कांवड़ यात्री

उत्तराखंड । भारी बारिश ने तबाही मचाई हुई है। बुधवार को हुई भारी बारिश से कई जगह जनजीवन अस्तव्यस्त हो गया। अलग-अलग हादसों में दस लोगों की मौत हो गई। भारी बारिश और बादल फटने की घटनाओं के बीच चारधाम यात्रा भी बाधित है। दूसरी तरफ गंगोत्री हाईवे पर मलबा-बोल्डर आने से हजारों डाक कांवड़ फंस गए हैं। गंगोत्री हाईवे पर एक जेसीबी के भरोसे मलबा और बोल्डर हटाया जा रहा है। सड़क पर हजारों डाक कांवड़ फंसे हैं। बीआरओ की तैयारियों पर स्थानीय सवाल लोग उठा रहे हैं। स्थानीय निवासी विनोद राणा का कहना है कि सड़क बंद होने पर बीआरओ की ओर से छोटी मशीने भेजी जा रही हैं। इस कारण कई बार सड़क से मलबा हटाने में पूरा दिन लगने से चारधाम यात्रियों और स्थानीय निवासियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।वहीं भारी बारिश के चलते थराली के प्राणमति नदी पर बनाया गया पुल फिर बह गया। बुधवार दोपहर को डीडीआरएफ द्वारा बनाया गया यह पुल महज कुछ घंटे में ही बह गया। एक माह में दो बार यहां अस्थाई पुल बनाया गया जो बनने के बाद फिर बह गया। इस पुल से थराली के पांच गांवों के ग्रामीण आवागमन ठप हो गया।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569